दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 202/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 3 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

इंदौर टेस्ट में भारत की शर्मनाक हार

इंदौर। इंदौर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को भारत को 9 विकेट से हरा दिया। भारत ने 76 रन का टारगेट दिया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने खेल शुरू होने के 76 मिनट में ही हासिल कर लिया है। ट्रेविस हेड ने 49 रन की पारी खेली।

राष्ट्रपति ने किया धर्म-धम्म सम्मेलन का शुभारंभ

सांध्यप्रकाश संवाददाता

भोपाल। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सातवां धर्म-धम्म सम्मेलन आज से शुरू होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस सम्मेलन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश की संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर और सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता सहित भूटान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, नेपाल और भारत के संस्कृति मंत्री मौजूद हैं।

पांच मार्च तक चलने वाला यह सम्मेलन नए युग में मानववाद का सिद्धांत विषय पर हो रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे विशेष विमान से दिल्ली से भोपाल पहुंचीं। राजा भोज विमानतल पर राष्ट्रपति का राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने स्वागत किया।

महर्षि पतंजलि, गुरु नानक, भगवान बुद्ध ने दुख को दूर करने का मार्ग सुझायाः मुर्मु

सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, कुशाभाऊ ठाकरे का मुझे सानिध्य प्राप्त हुआ था। मैं उन्हें नमन करती हूं। महर्षि पतंजलि, गुरु नानक, भगवान बुद्ध ने दुख से निकलने का मार्ग सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि विश्व का प्रत्येक धर्म मानवता का पाठ पढ़ाता है। भगवान बुद्ध ने शांति और अहिंसा का दुनिया को पाठ पढ़ाया, यह आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि धर्म सद्भाव बढ़ाता है। धर्म हमें जीने का मार्ग बताता है। प्राचीन काल में हमारे ऋषि-मुनियों ने जो थाती हमें सौंपी, वही सही धर्म है और वह हमारे लिए बहुत बड़ा उपहार है।

सम्मेलन का उद्देश्य दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच सद्भाव बढ़नाः मंगुभाई पटेल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा, हमारे देश की सदियों पुरानी परंपरा विश्व जाति और मानव जाति के कल्याण में विश्वास रखती है। इसे बढ़ावा देती है। हमारी मान्यता इस विश्वास में निहित है कि विश्व सबके लिए है, युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। मानवता के कल्याण के लिए शांति, प्रेम और विश्वास जरूरी है। ऋषियों का चिंतन ही आज के समय में समाधान का रास्ता प्रस्तुत करता है। इस सम्मेलन का उद्देश्य दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच सद्भाव को बढ़ा देना है। यह सम्मेलन युद्ध और पीड़ा से कराहते विश्व को शांति का मार्ग दिखाने में सक्षम होगा।

भारत का बच्चा-बच्चा कहता है धर्म की जय होः चौहान

सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि धर्म-धम्म सम्मेलन भोपाल में हो रहा है। एक ही चेतना सभी में है। सिया राम मय सब जग जानी। सब में सियाराम है। विशाल हृदय वाले कहते हैं कि सारी धरती ही हमारा परिवार है। भारत के गांव-गांव में आज भी हर धार्मिक आयोजन में बच्चा-बच्चा इस मंत्र का उद्घोष करता है कि धर्म की जय हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण हो। यह भारत का बच्चा-बच्चा गाता है। धर्म और धम्म का पहला सिद्धांत सभी जीवों के साथ दया है। दूसरी चीज ज्ञान और बोद्ध का अर्थ है। तीसरी आंतरिक शांति और निर्विकार भाव उत्पन्न करना है। आज विद्वानों के चिंतन से जो अमृत निकलेगा, मुझे विश्वास है कि वो विश्व को दिग्दर्शन देगा।

कई देशों के संस्कृति मंत्री रखेंगे विचार

धर्म-धम्म के वैश्विक विचारों को एक मंच प्रदान करने वाले इस सम्मेलन में 15 देशों से 350 से अधिक विद्वान शामिल हैं। इसमें भूटान, मंगोलिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, थाइलैंड, वियतनाम, नेपाल, दक्षिण कोरिया, मॉरिशस, रूस, स्पेन, फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन की सहभागिता है। शुभारंभ सत्र में श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज का उद्बोधन भी होगा। अतिथि द पेनारोमा ऑफ इंडियन फिलोसफर्स एंड थिंकर्स पुस्तक का विमोचन करेंगे। पहले दिन के दूसरे-सत्र में इंडिया फाउंडेशन की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य राम माधव की अध्यक्षता में मिनिस्टर-सत्र में भूटान, श्रीलंका, नेपाल और इंडोनेशिया के संस्कृति मंत्री विचार रखेंगे।

4 मुख्य सत्र में 25 विद्वानों का होगा संबोधन

तीन दिवसीय सम्मेलन में 4 मुख्य सत्र होंगे। 25 विद्वान विचार रखेंगे। इसी दौरान 15 समानांतर सत्र भी होंगे, जिसमें सम्मेलन की थीम नए युग में मानववाद का सिद्धांत पर केंद्रित 115 शोध-पत्र पढ़े जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव हंगामा, 13 तक स्थगित

सदन और बाहर सत्तापक्ष व प्रतिपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर

सांध्यप्रकाश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्यवाही 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। आज बजट सत्र के पांचवें दिन स्पीकर गिरीश गौतम के खिलाफ कांग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा पर किताब फेंककर मारने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सदन में मैं स्पीकर से पूछ रहा था कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कब कराएंगे? इसी बीच संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नियम संचालन पुस्तिका मेरी ओर जोर से फेंककर मारी। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा, हम संसदीय कार्यमंत्री के विरुद्ध अवमानना प्रस्ताव लाएंगे। इस प्रकार के मंत्री को सदन में बैठने का अधिकार नहीं है। नेता प्रतिपक्ष के आरोप पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा, मैंने किताब नहीं मारी। मैं चपरासी को हटा रहा था।

मीडिया को अंदर जाने से रोका, धरने के बाद जाने दिया

विधानसभा में आज मीडिया पर पाबंदी भी लगा दी गई थी। पुलिस ने बैरिकेड कर बाहर ही रोक दिया था। पुलिसकर्मियों का कहना था कि स्पीकर ने आदेश दिया है कि जहां बाइट होती है, उस कक्ष के अलावा कहीं और कवरेज नहीं किया जाएगा। पत्रकार धरने पर बैठ गए। संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने आकर धरना खत्म कराया। बोले- स्पीकर को इसकी जानकारी नहीं थी।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने विधानसभा के पीएस एपी सिंह को अविश्वास प्रस्ताव की सूचना दी। इसमें 48 विधायकों के सिग्नेचर हैं। कमलनाथ के साइन नहीं हैं। इस पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा- प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने अविश्वास प्रस्ताव पर सहमति दे दी, लेकिन साइन नहीं किए। गुरुवार को स्पीकर ने कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी के निलंबन का फैसला सुनाया था। इसके बाद से ही कांग्रेस के तमाम विधायकों ने पटवारी के साथ खड़े रहकर सदन में लड़ाई लड़ने का ऐलान किया था।

पटवारी के निलंबन पर कमलनाथ ने कहा, ये नहीं चाहते कि इनकी बातों का खुलासा हो। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह बोले- भ्रष्टाचार छिपाने का काम सरकार करती है, स्पीकर साथ देते हैं। संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, अविश्वास प्रस्ताव लाना ही था तो मेरे खिलाफ लाते। मूल कार्य तो संसदीय कार्यमंत्री का था। स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही विपक्ष की नारेबाजी के बीच शुरू हुई। सदन में कागज फेंके गए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हमने संसदीय कार्य मंत्री के खिलाफ स्थगन प्रस्ताव दिया है। इन्हें आज के पूरे सत्र के लिए निलंबित किया जाए। स्पीकर ने बोले- मैंने निष्पक्ष होकर जीतू पटवारी के निलंबन की कार्रवाई की है। सज्जन सिंह वर्मा ने किताब फाड़ी। कांग्रेस विधायकों ने नरोत्तम मिश्रा मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसके बाद स्पीकर ने विधानसभा की कार्यवाही 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

पहले से तय था जीतू का निलंबनः कमलनाथ

कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी पर हुए एक्शन पर कमलनाथ ने कहा- मप्र की विधानसभा का बहुत दुखद दिन है। विधानसभा और लोकसभा का मुझे सालों का अनुभव है, पक्ष हो या विपक्ष। विपक्ष के सवालों का सरकार जवाब देती है। हमारे साथी जीतू पटवारी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कई मुद्दे उठाए। कई ऐसे मुद्दे थे, जिसका जवाब विधानसभा में दिया गया। जीतू ने कहा- बीजेपी कार्यालय में सरकारी पैसे से खाना खिलाया गया। ये जीतू पटवारी ने नहीं कहा, ये तो प्रश्न के जवाब में उत्तर मिला है। कमलनाथ ने आगे कहा, पटवारी ने कर्ज की बात उठाई। लगभग 4 लाख करोड़ का कर्ज लिया गया। 75 करोड़ रुपए प्रतिदिन का ब्याज लग रहा है। ये 24 हजार करोड़ रुपए प्रति साल का ब्याज है। रिजर्व बैंक ने नोटिस देकर संपत्ति की नीलामी की। हमारा सवाल है कि ये कर्ज क्यों लिया जा रहा है? बड़े-बड़े ठेके दें, इन ठेकों में एडवांस दें और उससे अपना कमीशन लें। हमारे साथी जीतू पटवारी ने हवाई जहाज पर हुए खर्च का सवाल उठाया। इन पर जवाब देने के बजाय जीतू पटवारी पर जो कार्रवाई हुई, वो पहले से तय थी। इन्होंने पहले से तय कर रखा था कि हम सत्र नहीं चलने देंगे।

भ्रष्टाचार छिपाने में साथ देते हैं स्पीकर : गोविंद सिंह

स्पीकर की कुर्सी किसी दूसरे को देकर सदन चलाएंः सज्जन वर्मा

विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने अपनी गरिमा के विपरीत निर्णय लिया है। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। शिवराज सिंह द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग में दिए उत्तर में खुद लिखा- सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया गया। भाजपा कार्यालय में जो बैठकें और सम्मेलन होते हैं, उनके लिए करोड़ों रुपए सरकारी खजाने से खर्च किए गए हैं। ये प्रजातंत्र में लूट और भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार छिपाने का काम सरकार करती है, अध्यक्ष साथ देते हैं। चोरी सरकार करे, माफी जीतू पटवारी और कांग्रेस के लोग क्यों मांगें।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने स्पीकर से कहा- हमने आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया है। स्पीकर बोले- मुझे नहीं मिला, जब आएगा, तब देखेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हमने आपके कार्यालय में अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया। सज्जन सिंह वर्मा ने कहा- मेरी मांग है कि सदन में स्पीकर की कुर्सी किसी दूसरे को देकर सदन चलाना चाहिए। नरोत्तम मिश्रा ने स्पीकर से कहा- निलंबन का फैसला मेरा था, न कि आपका। आपने तो स्वीकार किया। हंगामे के बीच 5 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। बाद में इसे दोपहर 12 बजे तक बढ़ा दिया गया। प्रश्नकाल नहीं हुआ।

कैबिनेट में सिवनी, चंदेरी में सिंचाई परियोजनाओं के लिए 587 करोड़ की मंजूरी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में कैबिनेट की बैठक हुई। मप्र विधानसभा में बजट सत्र का आज पांचवा दिन है। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व हुई शिवराज कैबिनेट की इस बैठक में सिवनी में सिंचाई परियोजना के लिए 29.37 करोड़ की मंजूरी दी गई। साथ ही चंदेरी में सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 558.05 करोड़ को मंजूरी दी गई। जनजातीय कार्य विभाग के 35 माध्यमिक विद्यालय निर्माण, कृषि कल्याण विभाग के तहत विकास निधि के कार्यों को स्वीकृति दी गई। जूनी इंदौर की जमीन को पांच करोड़ 40 लाख रुपये, महिदपुर बस डिपो उज्जैन की जमीन को भी छह करोड 29 लाख रुपये, जबलपुर में परिवहन विभाग की जमीन को 130 करोड़ 69 लाख रुपये में सफल निविदाकार को देने पर सहमति बनी।

लाडली बहना योजना का शुभारंभ पांच को, आवेदन के लिए भीड़ जुटना शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश में पांच मार्च को लाड़ली बहना योजना का भव्य शुभारंभ हो रहा है। यह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्म दिन है। इसमें महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाने हैं। लाड़ली बहना योजना की घोषणा होने के बाद से महिलाओं की भीड़ लोक सेवा केंद्र व कियोस्क सेंटरों पर बढ़ गई है।

लोक सेवा केंद्रों पर पिछले कुछ दिनों में मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 20 प्रतिशत आवेदन बढ़ गए हैं। उधर कियोस्क सेंटरों पर आय प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेजों के लिए भीड़ जुट रही है, जबकि यह दस्तावेज लाड़ली बहना योजना में वांछित नहीं हैं। सिर्फ आधार कार्ड, समग्र आइडी और बैंक खाता ही जरूरी है। योजना में स्पष्ट जानकारी न होने के कारण महिला एवं बाल विकास विभाग में भी पूछताछ के लिए महिलाएं पहुंच रही हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना का ऐलान किया है। पांच मार्च से इस योजना के लिए आवेदन लिए जाना शुरू हो जाएंगे। इसमें 23 साल की विवाहित महिला से लेकर 60 साल तक की महिलाओं को लाभ दिया जाएगा। इसके लिए शर्तें रखी गई हैं, जिसमें प्रतिमाह महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये भेजे जाएंगे। राज्य की निम्न या मध्यमवर्गीय परिवार की बहनों को हर महीने 1000 रुपये पेंशन के रूप में दिए जाएंगे। पांच मार्च को इस योजना को भोपाल के जंबूरी मैदान से लांच किया जाएगा, जिसमें अलग-अलग जिलों से महिलाओं को बुलाया जा रहा है। आंनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दी जा रही है, जिससे वे लाभ लेने के लिए महिलाओं को शामिल कर सकें। इसमें एक अपील समिति भी रहेगी, जो अपात्र महिलाओं को बाहर करने का अधिकार भी रखेगी। कैंप लगाए जाएंगे और सीधे खाते में यह राशि आएगी। (विस्तृत जानकारी पेज-6 पर)

दिल्ली शराब घोटालाः केजरीवाल से भी पूछताछ कर सकती है सीबीआई- ईडी

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भले ही फर्जीवाड़ा मान रहे हों, पर मामले की जांच कर रही सीबीआई टीम जिस तरह डिजिटल और फॉरेंसिक सबूत जुटा रही है, इससे भविष्य में केजरीवाल सरकार की मुसीबत बढ़ सकती है। मनीष सिसोदिया से रिमांड में हुई पूछताछ के बाद अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी सीबीआई- ईडी के दफ्तर बुलाया जा सकता है। ऐसी जानकारी है कि इस मामले में जांच टीम को पुख्ता सबूत मिले हैं।

सीबीआई सत्येंद्र जैन से इस मामले में पहले ही तिहाड़ जेल में जाकर पूछताछ कर चुकी है। आरोप है कि आबकारी विभाग के एक ब्यूरोक्रेट ने घोटाले में पूछताछ के दौरान सीबीआई को बयान दिया है कि सिसोदिया ने उन्हें केजरीवाल के घर बुलवाया था। उस दौरान वहां सत्येंद्र जैन भी थे। वहीं,, पर सिसोदिया ने उन्हें मौखिक रूप से शराब कारोबारियों के लिए कमीशन बढ़ाने के लिए ड्राफ्ट तैयार करने को कहा था।

फेस टाइम कॉल में भी केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप

दावा किया जा रहा है कि समीर महेंद्रू ने जांच एजेंसी को बताया था कि जेल में बंद नायर के फोन से केजरीवाल ने फेस टाइम पर विडियो कॉल कर उन्हें कहा था कि विजय नायर उनका बच्चा है। उन पर वो भरोसा करें। महेंद्रू का दावा है कि इस मामले में करोड़ों रुपए केजरीवाल के आदेश पर दिए गए थे। जिसे गोवा चुनाव में खर्च किया गया था। इस मामले में श्वष्ठ विज्ञापन कंपनी से भी पूछताछ कर चुकी है। दावा किया जा रहा है कि दोनों आरोपों में ष्टस्केजरीवाल सीधे तौर पर शामिल हैं। उन्हें महेंद्रु, विजय नायर के सामने बिठाकर पूछताछ करना जरूरी है, जिससे सच का पता लगाया जा सके।

भाजपा विधायक का बेटा 40 लाख घूस लेते गिरफ्तार

बेंगलुरू। कर्नाटक में गुरुवार को लोकायुक्त ने भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को 40 लाख रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी प्रशांत के पिता के बेंगलुरु स्थित कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल)से दफ्तर से हुई। इसके बाद लोकायुक्त अधिकारी प्रशांत के घर पहुंचे। यहां उन्हें 6 करोड़ कैश मिले। गिनती करने के बाद अफसरों ने नोटों के बंडल बिस्तर पर रख दिए।

भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा ने केएसडीएल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि जिस टेंडर के मामले में बेटे ने घूस ली, उसमें मैं शामिल नहीं हूं। वीरुपक्षप्पा के इस्तीफे से पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि लोकायुक्त को दोबारा शुरू करने का मकसद राज्य में भ्रष्टाचार करना था।

लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक, प्रशांत कर्नाटक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के 2008 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने साबुन और अन्य डिटर्जेंट बनाने के लिए कच्चे माल को खरीदने की डील के लिए एक ठेकेदार से 80 लाख रुपए की डिमांड की थी। जिसके बाद ठेकेदार ने इसकी शिकायत लोकायुक्त से की थी। जिसके बाद प्रशांत को रंगे हाथ पकड़ने के लिए योजना बनाई गई।

जनता के प्रति जो जिम्मेवारी का भाव है उसे निभाना है: कुशवाह

भोपाल। सबलगढ़ विधायक बैजनाथ कुशवाहा ने कहा कि अपने जन्मदिन 1 मार्च पर कोई बड़ा आयोजन नहीं करते हैं जनता के प्रति जो जिम्मेवारी का भाव है उसे निभाना है, भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा प्रस्तुत बजट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बजट में आम जनता की तकलीफो पर ध्यान नहीं दिया गया। रोजगार को लेकर कोई ठोस नीति इसमें नहीं है शासकीय कर्मचारियों के लिए भी इस बजट में बहुत निराश किया है सत्ता पक्ष प्रशासनिक अमले का दुरुपयोग कर रहा है निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा हैद्ध कुशवाहा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश की जनता कांग्रेस को 150 से अधिक सीटों पर विजय बनाकर भारी बहुमत से जीतेगी।

क्षेत्र की जनता पर साईं का आशीर्वाद बना रहे : दीप्ति सिंह

भोपाल। क्षेत्र की जनता को साईं बाबा का आशीर्वाद हो एवं जनता सुखी रहे कांग्रेस प्रवक्ता दीप्ति सिंह द्वारा आज भेल मार्केट स्थित गणेश साईं मंदिर पर महा प्रसादी का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया दीप्ति सिंह ने बताया कि गोविंदपुरा क्षेत्र की जनता की समस्याएं दूर हो उनके द्वारा शीघ्र गोविंदपुरा क्षेत्र में हाथ जोड़ो अभियान चलाया जाएगा दीप्ति सिंह ने कहा कि कांग्रेस जनता के बीच कार्य करने के लिए जानी जाती है और इस क्षेत्र में आमजन से संपर्क कर उनकी समस्याओं को जाना जाएगा साथ ही उनके निराकरण के लिए जो भी प्रयास करना होगा उसके लिए कांग्रेस पार्टी सदैव तैयार रहेगी गोविन्दपुरा आई.टी सेल के प्रवक्ता अतुल मालवीय ने बताया की इस अवसर पर बड़ी संख्या में भेल कर्मचारी एवं क्षेत्र जनता ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाहिद अली,सादिक खान, रंजीत सिंह नरेश जादोन, निशांत नंदा, नितिन अकोदिया, राजेश रजक,राकेश वर्मा, सतीश कनोजिया,सुशील प्रजापति सहित कई कांग्रेसी उपस्थित रहे।

महासम्मेलन के लिए भूमि पूजन

भोपाल। राजधानी के सेंट्रल लाइब्रेरी स्थित ग्राउंड पर 5 मार्च को घुमंतु अर्ध घुमंतु जनजाति समाज का महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। आज सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड पर भूमि पूजन किया गया। मध्य भारत प्रांत जगदीश बसंतानी ने कहा कि यह समाज हमेशा से भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है और वर्तमान में इसको मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास शुरू किए। महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम नेता अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, विजय तिवारी, जगदीश यादव, महामंत्री भार्गव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए।

मातृछाया का शिशु नामकरण व कर्ण छेदन संस्कार संपन्न

भोपाल । निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा है कि कहना बहुत आसान होता है परंतु सेवा के क्षेत्र स्थापित करना आसान कार्य नहीं है। मातृछाया ने शिशुओं की सेवा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये हैं वो हमारे लिए प्रेरणा हैं। श्री सूर्यवंशी ने उक्त विचार सेवा भारती के शिशु कल्याण केन्द्र ''मातृछाया'' में आयोजित शिशुओं के नामकरण एवं कर्ण छेदन संस्कार के आनंद उत्सव में अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये। निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि भारत वर्ष विभिन्न परंपराओं एवं संस्कृति के साथ सनातन सभ्यताओं का देश है। सनातन सभ्यता में प्रत्येक समय में अलग अलग संस्कारों का उल्लेख है और इसी तारतम्य में मातृछाया में बच्चों के नामकरण व कर्ण छेदन संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

हाई वोल्टेज डांस और सिंगिंग की रिदम 2023 पर झूम उठा पॉलिटेक्निक कॉलेज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक पॉलिटेक्निक के वार्षिकोत्सव रिदम 2023 में गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर स्टूडेंट्स के साथ टीचर्स ने भी सहभगिता की। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से हुई, उसके बाद एंकर गर्विता और दिव्यांशु ने स्टेज संभाला। दीक्षा त्रिपाठी के क्लासीकल डांस से शुरुआत हुई और इसी रिदम को आगे बढ़ाया गणेश वंदना के द्वारा शालिनी यादव एंड ग्रुप ने। इसके बाद ख्याति के सोलो सांग संवार लूँ, और पूजा गुप्ता के डांस परफॉर्मेंस ने कार्यक्रम में समां बांध दिया। हरिओम परमार और दीक्षा की जोड़ी ने तुम से मिलकर% डुएट सांग गाया और फार्मेसी के औसाफ़ खान ग्रुप ने ग्रुप डांस से दर्शकों में उत्साह भर दिया। अब बारी थी टीचर्स की, शुरुआत हुई पी के जड़िया के माउथ ऑर्गन प्रस्तुति से, उसके बाद डॉ अनुराधा और हिमांशु तिवारी ने अपने सिंगिंग टैलेंट से सबका दिल जीत लिया, और प्रो डॉ मुकेश मिश्रा ने हास्य प्रहसन प्रस्तुत कर खूब हंसाया। कार्यक्रम में प्रो.सुनीत सिजिरिया और विनय यादव ने कविता वाचन किया। वैभव मालवीय ने सेक्सोफोन से कई धुनें सुनाई और डॉ एस.के सोनी ने माउथ ऑर्गन से म्यूजिक को नए स्वर दिए,

प्रो तुली ने ओ हंसिनी, डॉ अवधेश सिंह ने ओ मेरी जोहराजबीं... और संजय व्यास ने सांसो की जरूरत* गाकर खूब तालियां बटोरी। इसके बाद ऑरकेस्ट्रा ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति से स्टूडेंट्स और टीचर्स को थिरकने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अवधेश सिंह ने किया।

दूसरे दिन मुकेश महाराज ने बताया शिव महापुराण का मानव जीवन में महत्व

संत हिरदाराम नगर। संतनगर में आयोजित शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन कथावाचक मुकेश महाराज ने बताया कि शिव महापुराण की कथा केवल धर्म लाभ ही नहीं देती इससे अनेक पुण्य उदित होते हैं तब यह कथा प्राप्त होती है और साथ ही उन्होंने यह बताया की जीवन जीने के सभी सूत्र भी हमें शिव महापुराण की कथा से प्राप्त होते हैं परिवार में एकता होना और बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना सिखाती है, शिव की भक्ति करने से सारे दु:ख दरिद्रता दूर होती है, शिव महापुराण कथा के उपरांत आरती और फिर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर कथा आयोजक जगदीश आसवानी, मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, सुमित आहुजा बोरवन क्लब के शेट्टी चंदनानी, महेश खटवानी, अर्जुनदास गुरबाणी, राम सबनानी, प्रकाश विधानी, धर्मेंद्र समतानी, महेश गुरबाणी, मधु घनशानी, सीमा लालवानी, भावना उदासी, पूनम यादव सहित कई उपस्थित थे।

सार्थक वुमन्स पॉवर का होली उत्सव कल, कैलाश परिसर पटेल नगर में फूलों की होली से बिखरेंगे रंग

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक बार फिर सार्थक वुमन्स पॉवर फन मस्ती, धमाल और फूलो की होली राधा कृष्ण संग प्री होली सेलिब्रेशन आयोजित कर रहा है। जिसमे बहनों द्वारा फूड स्टाल, व्यापारिक स्टाल, डांस, रेम्प वॉक प्रस्तुति बेस्ट स्टाल को पुरस्कृत कर अलग-अलग ग्रुप में आई हुई बहनों में से बेस्ट ग्रुप का चुनाव ,अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते हुए सार्थक वुमंन्स पावर समिति द्वारा महिला शक्तियों का सम्मान किया जायेगा। आयोजन की जानकारी देते हुए सार्थक टीम की संस्थापक दीपाली तिवारी और उनकी टीम ने बताया कि गेम्स मस्ती धमाल म्यूजिक डोल नगाड़े का आयोजन 4 मार्च 2023 शनिवार को

कैलाश परिसर, पटेल नगर में 2.30 दोपहर से किया जा रहा है।जिसमे भोपाल शहर के हर क्षेत्र की महिलाएं भाग ले रही हैं।

नशे के विरोध में सामाजिक जागरुकता सम्मेलन

भोपाल। अल-अस्त्र एजुकेशनल सोसायटी के अंतर्गत एक सामाजिक जागरुकता सम्मेलन नशा-अधिकतर बुराईयों की जड़ के विषय पर सुभाष यादव भवन, न्यू मार्किट, भोपाल में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के अवसर पर हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई और बौद्धधर्म के वक्ताओं के अतिरिक्त नशामुक्ती विशेषज्ञ ने भी अपने विचार उपरोक्त विषय पर दर्शकों के सामने रखे। नयनाभिराम (प्रचारक, इस्कॉन) ने बताया कि नशेका सेवन करना शास्त्रों के अनुसार चार महापापों में से एक है। इसके कारण वर्तमान जीवन और आने वाला जीवन नरकमय बन जाता है। भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो (प्रमुख, बौद्धधर्म गुरू) ने अल-अस्त्र एजुकेशनल सोसायटी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक विषय पर इस तरह का कार्यक्रम मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित किया गया है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार से अपील की कि वह और राज्यों की तरह हमारे राज्य को भी नशामुक्त करने का प्रयास करे। डॉ. मनीष बोरासी (मनोचिकित्सक और नशामुक्ती विशेषज्ञ) ने चिकित्सा के दृष्टिकोण से शरीर पर नशेके दुष्प्रभाव समझाते हुए कहा कि नशाशरीर के सभी अंगों को प्रभावित करने के अलावा मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक स्वास्थ्य के लिये भी हानिकारक है। उन्होंने ये भी विश्वास दिलाया की नशेसे मुक्ती परामर्श और दवाईयों द्वारा संभव है। फादर जोस प्रकाश (अध्यक्ष, दिव्य वाणी संघ) ने बाइबिल के श्लोकों से नशेकी बुराइयों का वर्णन किया।

निगम आयुक्त ने अधिकारियों एवं कंसलटेंट के साथ निर्माणाधीन वन भवन का लिया जायजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम आयुक्त ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन को उच्च गुणवत्ता तथा सर्व सुविधायुक्त बनाने के दृष्टिगत निगम अधिकारियों एवं कंसलटेंट के साथ लिंक रोड नंबर 2 तुलसी नगर स्थित निर्माणाधीन वन भवन का निरीक्षण किया और भवन में आफिस, मीटिंग हॉल, चेंबर्स, स्टाफ की बैठक व्यवस्था सहित अन्य स्थलों का जायजा लिया तथा प्रचलित कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने गुरूवार को निगम अधिकारियों के साथ लिंक रोड नंबर 2 तुलसी नगर स्थित निर्माणाधीन वन भवन पहुंचकर भवन में आफिस, मीटिंग हॉल, चेंबर्स, स्टाफ की बैठक व्यवस्था हेतु किये गये पार्टिशन सहित अन्य स्थलों पर प्रचलित कार्यों का जायजा लिया। श्री चैधरी ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन को गुणवत्ता तथा सर्वसुविधायुक्त बनाने के दृष्टिगत वन भवन के निर्माण में उपयोग की गई तकनीक, भवन में ओपन स्पेस, कॉरीडोर, प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था हेतु विंडो एवं ओपन स्पेस, फायर सिस्टम, पार्किंग व्यवस्था तथा विद्युतीकरण कार्य आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की और इस संबंध में उपस्थित निगम अधिकारियों एवं कंसलटेंट टीम से विस्तारपूर्वक चर्चा भी की।

निगम आयुक्त ने निगम मुख्यालय भवन में प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था हेतु पर्याप्त प्रावधान करने, आवश्यकतानुसार खुला स्थान छोड़ने तथा भवन के प्रत्येक स्थल का समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए। श्री चैधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण में ऐसे मटेरियल का उपयोग हो जो गुणवत्ता पूर्ण होने के साथ साथ मेंटनेंस फ्री एवं टिकाऊ भी हो। श्री चैधरी ने मीटिंग हॉल में साउंड प्रूफ व्यवस्था, सुविधाजनक पार्किंग के साथ ही स्वच्छ पर्यावरण एवं सौन्दर्यता के दृष्टिगत पर्याप्त हरियाली हेतु पौधारोपण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने अधिकारियों एवं पदाधिकारियों तथा उनके स्टाफ की बैठक व्यवस्था, आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, मीटिंग हॉल आदि के संबंध में भी अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की।निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त चंद्र प्रताप गोहल, अधीक्षण यंत्री पी.के.जैन सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कंसलटेंट मौजूद थे।

उपाध्यक्ष मोहन सिंह की चेतावनी के बाद पीएचई ने तेजी से सुधारे हेड पंप

भोपाल ।ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी शुरू होने के पूर्व जल संकट को देखते हुए भोपाल जिला पंचायत की बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को सतर्क करते हुए चेतावनी दी थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़े हुए हेडपंप को जल्दी ठीक करें पीने की पानी का संकट ग्रामीण क्षेत्रों में आया तो मैं ग्रामीणों के साथ पीएचई विभाग के ऑफिस में धरना दूंगा इस चेतावनी को देखते हुए 1 मार्च से पीएचई विभाग के द्वारा भोपाल जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 1 की पंचायत खामखेड़ा एवं गांव कल्याण पुरा मैं 3 बोरों में हेड पंप डालकर चालू किए। ग्राम पंचायत खामखेड़ा की सरपंच श्रीमती कृष्णा विक्रम यादव ने अपनी पंचायत में बिगड़े पड़े हेडपंपओ को सुधरबाने के लिए प्रयास अथक प्रयास किया जिसके कारण आज वहां इस कार्य में कामयाब हो सकी। सरपंच प्रतिनिधि विक्रम यादव ने बताया कि पीएचई विभाग के एन बोरों में पहले मोटर डल्ली हुई थी चोरों ने मोटर निकालने का प्रयास करें मोटरों को निकालने के बाद खाली पड़े बोरों में पीने के लिए हेड पंप लगवाने का प्रयास किया जा रहा था आज पीएचई विभाग के द्वारा पंचायत में 3 बोरों में हेड पंप डाले गए जिसके कारण ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध हो सका ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए नए हिट पंप से पानी पीना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों नर्मदा प्रसाद मीणा, कमलेश शाकय, मेहरबान सेन ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि हम ग्रामीणों ने हमारे सरपंच महोदय से पीने के पानी की मांग की थी उन्होंने हमारे जिला सदस्य के साथ उनके प्रयासों से आज हमें भरपूर पीने का पानी मिल रहा है।

नगरीय निकाय के सीएमओ व नोडल अधिकारियों की कार्यशाला संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्वच्छ सर्वेक्षण -2023 की तैयारियों के क्रम में भोपाल एवं नर्मदापुरम् संभाग के भोपाल । स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण - 2023 के लिए निर्धारित मापदंड अनुसार तैयारियों के क्रम में भोपाल एवं नर्मदापुरम् संभाग की नगर पालिकाओं के सीएमओ एवं नोडल अधिकारियों की कार्यशाला ''स्वच्छता की पाठशाला'' में चिकित्सा कारणों से वर्चुअली जुड़ते हुए महापौर मालती राय ने कार्यशाला में सभी निकायों के अधिकारियों का स्वागत किया और कहा कि आप सभी अपने-अपने निकाय क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु बेहतर से बेहतर प्रयास करें ताकि अपना निकाय स्वच्छता में नंबर वन स्थान पर रहे। श्रीमती राय ने कार्यशाला के संबंध में कहा कि यह स्वच्छ सर्वेक्षण के दृष्टिगत अति महत्वपूर्ण कार्यशाला है और यहां से सीखी गई हर छोटी बात आपके बड़े काम आएगी। महापौर श्रीमती राय ने कहा जब नगरीय निकाय अपने स्तर पर बेहतर कार्य करेंगे तो मध्यप्रदेश भी स्वच्छता में नंबर वन रहेगा। यही हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान का सपना है जिसे हम पूरा करने में सफल होंगे। मालती राय ने भोपाल नगर निगम के अधिकारियों का भी आहवान किया कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करें और भोपाल को स्वच्छता में नंबर वन बनाये। इसके पहले ''स्वच्छता की पाठशाला'' का शुभारंभ नगर निगम भोपाल के आयुक्त श्री केवीएस चैधरी ने अन्य अधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया और उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में कहा कि कचरे के स्त्रोत से ही इसका पृथक्कीकरण अति महत्वपूर्ण है और शुरुआत से ही कचरे को पृथक-पृथक कर, पृथक-पृथक परिवहन एवं निष्पादन करेंगे तो हमें बहुत आसानी होगी। श्री चैधरी ने कहा कि कचरा पृथक्कीकरण हेतु नागरिकों को भी जागरूक करें। श्री चैधरी ने आहवान किया किया जो निकाय स्वच्छता में अच्छा कार्य करते हैं उनसे अन्य निकायों को भी सीख ले और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनायें।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 367 लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

भोपाल। संत हिरदाराम नगर - लोगों की सेवा में अग्रसर संस्थाओं द्वारा मिलकर संत हिरदाराम नगर में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 02 मार्च 2023 को रखा गया है यह निशुल्क जांच शिविर आयोजन करता द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष कमलेश रायचंदानी के साले साहब ओर श्रीमती नैना रायचंदानी के बड़े भाई स्व दीपक कुमार जेठानी जी के जन्मदिन पर, अश्वनी पैथोलॉजी लैब, चंचल मिनी मार्केट रोड के पास प्रात: 9ः00 से 12ः00 तक रखा गया । कैम्प में सभी तरह की डेंटल जांचें परामर्श, बीपी, शुगर, बीएमआई, कोलेस्ट्रॉल, हिमोग्लोबिन, स्किन केयर , होम्योपैथिक, फिजियोथैरेपिस्ट, सुजोको, एकयुप्रेशर, एक्यूपंचर, कलर थेरेपी आदि अन्य जांच व परामर्श निशुल्क रखा गया था। इस मौके पर जीरो ब्लॉकेज की टीम भी आई थी इसी के साथ एमबीबीएस डॉक्टरों की टीम भी लोगों की जांच और मदद की इस मौके पर द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसायटी व हिंदू हेल्पलाइन की टीम मोजूद रही। इस

कैंप में 367 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ मां काली के भक्त जय मां काली मंदिर समिति के संस्थापक अध्यक्ष श्री जगदीश रायचंदानी ओर श्रीमती राजकुमारी रायचंदानी ने किया। इस मौके पर पार्षद अशोक मारण पधारे ओर आयोजन करताओ की भरपूर प्रशंसा की। इस मौके पर कमलेश रायचंदानी, थैरेपिस्ट नैना रायचंदानी, सुनिता रायचंदानी, डॉ अश्वनी कुशवाहा अश्वनी पैथोलॉजी लैब, डॉ सत्येंद्र असवानी, डॉक्टर तराना असवानी, डॉक्टर हर्षा चंदानी सत्यम डेंटल क्लिनिक, हिंदू हेल्प लाईन, इंडिया हेल्थ लाइन, द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसायटी, डॉ एस पी ठाकुर, डा श्रीमती उषा ठाकुर, डॉ मुक्ता मेंघानी, विकसित भौतिक चिकित्सा क्लिनिक और कल्याण केंद्र, कैलाश साधवानी, जितेश सदारंगानी, गणेश पुरिया, मुन्ना आडतानी, अजीत मोटवानी, अजय चौहान, प्रकाश तनवानी, अजय चौहान, नितेश तिवारी, योगेश सेन, डा संजय विश्वकर्मा, जितू प्रियानी, अजय धाकड़, राहुल गोरपढें, स्नेहा रायचंदानी, समर्थ रायचंदानी,डॉक्टर रिकिता, डॉ शालू, सुनील लालवानी , धर्मेंद्र हरि ओम नीतू, डा एस के केसर, डा आर आर पंचोली, संदीप तिवारी जीरो ब्लॉकेज, फिजियोथैरेपिस्ट आशीष मीणा, दरोगा अजय चौहान आदि ने लोगों की मदद सेवा के लिए अपना सहयोग दिया। इस मौके पर स्वच्छता प्रहरी द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसायटी ने लोगों को पोस्टर के माध्यम से स्वच्छता के संदेश दिए और डॉक्टर्स थैरेपिस्ट और सेवा भाव से इस कैंप में सहयोग देने वाले सभी लोगों को सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।

5 मार्च को लान्च होगी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, इसी माह प्रारंभ हो जाएगा प्रपत्र भरवाने का अभियान

राजधानी के जम्बूरी मैदान में जुटेंगी एक लाख महिलाएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना गरीब बहनों के जीवन में सकरात्मक बदलाव लाएगी। यह अति महत्वपूर्ण योजना है। इसे जमीन पर क्रियान्वित करने के लिए सभी को जुटना है।

भोपाल में रविवार, 5 मार्च को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में योजना विधिवत लांच की जाएगी। कार्यक्रम में भोपाल के अलावा निकटवर्ती जिलों की बहनें भी शामिल होंगी। मुख्यमंत्री चौहान कार्यक्रम में स्वयं एक बहन का प्रपत्र भरवा कर उपस्थित बहनों को योजना की जानकारी प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि महिला-बाल विकास विभाग ने जिला स्तर पर योजना के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत निर्देश भेजे हैं। बहनों के प्रपत्र भरवाने के दौरान बैंक खाते को आधार से लिंक करवाने, आधार एनरोलमेंट और उसके अपडेशन के साथ अन्य तकनीकी आवश्यकताओं की पूर्ति के बारे में भी बताया गया है। प्रपत्र भरवाने वाले अमले को इस कार्य का पूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे योजना के लिए पात्र बहनों की समुचित सहायता कर सकें।

मुख्यमंत्री चौहान आज निवास कार्यालय समत्व भवन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लांच की तैयारियों संबंधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से महिला-बाल विकास विभाग, समस्त कमिश्नर्स,कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगर पालिका निगम एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के प्रपत्र भरवाने के लिए अमले को प्रशिक्षित कर इस कार्य में दक्ष बनाया जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बहुआयामी और एक मिशन है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की सामान्य वर्ग की गरीब बहनों के साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग की बहनों को न्याय देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाएँ अब इस योजना से आर्थिक उन्नयन प्राप्त कर परिवार के स्तर पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रभावी होंगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जिलों में इस माह प्रत्येक वार्ड और ग्राम स्तर पर होने वाले शिविरों में बहनें एकत्र होंगी। योजना की तैयारियों में कहीं से कोई गड़बड़ी की शिकायतें न आएँ। प्रशासनिक अमला मिशन मोड में कार्य करें। कोई भी पात्र बहनें छूटे नहीं। फार्म भरने की प्रक्रिया सरल हो। जन-प्रतिनिधि भी सहभागी बनें। प्रपत्र भरवाने के कार्य में पूरी पारदर्शिता हो। उल्लेखनीय है कि योजना से गरीब वर्ग की महिलाएँ प्रतिमाह 1000 रूपए प्राप्त करेंगी। योजना के लिए पात्रता संबंधी जिला स्तर तक पूरा विवरण भेजा गया है। प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने प्रेजेंटेशन दिया। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लाड़ली बहना योजना के शुभारंभ पर नगरीय निकायों में लगेंगे 23,360 पौधे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने जन्म-दिवस 5 मार्च को लाड़ली बहना योजना का शुभारंभ करेंगे। इस दिन सभी 413 नगरीय निकायों में शिव वाटिका बनाई जाएँगी। शिव वाटिका में 23 हजार 360 पौधे लगाये जायेंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री चौहान के जन्म के 64 वर्ष (23 हजार 360 दिन) 5 मार्च को पूरे होंगे। इसी उपलक्ष्य में 23 हजार 360 पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। पौध-रोपण सुबह 8 बजे से सभी नगरीय निकायों में होगा।

मंत्री सिंह ने प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई को 5 मार्च को होने वाले पौध-रोपण की सभी तैयारियाँ समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने तैयारियों की समीक्षा भी की। इस दौरान आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव और आयुक्त नगरपालिक निगम भोपाल के.व्ही.एस. चौधरी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के पदक प्राप्त खिलाड़ियों के साथ लगाए पौधे

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 40 वीं जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली कुमारी एन सोनिया तथा सिल्वर मेडल जीतने वाली कुमारी श्रेयसी कटियार के साथ श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में चंपा ,सारिका इंडिका और शहतूत के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ कुमारी निशिका ठाकुर ने अपने जन्मदिवस पर पौधा लगाया। मुख्यमंत्री चौहान के साथ विजेता बालिकाओं के कोच विजय तथा एन सोनिया के सुब्रमण्यम तथा माता अनीता ने भी पौधरोपण किया। विनय नागमल, अजय साहू, सलोनी भी पौधरोपण में साथ थीं। बंसल न्यूज के मनोहर सिंह ठाकुर के साथ वर्षा ठाकुर और प्रबल ठाकुर ने भी मुख्यमंत्रीचौहान के साथ पौधे लगाए।

संतुलित लग रहा इस बार का बजटः अमित कुमार जैन

भोपाल। सीएस फाइनेंस कंसलटेंट अमित कुमार जैन का कहना है कि इस बार का बजट संतुलित लग रहा है, सरकार ने माहिलाओं के लिये बहुत कुछ दिया है, लाड़लीलक्ष्मी, लाड़ली बहन, स्व-सहायता समूह के लिए ऋण और ब्याज में छूट, छात्रायों के लिये स्कूटी आदि बहुत कुछ रखा है, पर ज्यादा फ्री में बाटना सरकार और प्रदेश दोनों के लिये लंबे समय में अच्छा नहीं है।

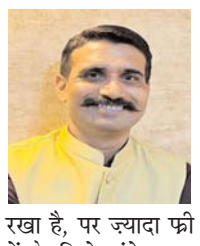

राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान रजनीश जैन को

भोपाल। इस वर्ष का राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान सागर के वरिष्ठ पत्रकार रजनीश जैन को प्रदान किया जाएगा। अलंकरण समारोह एवं भुवनभूषण देवलिया स्मृति व्याख्यान का आयोजन 5 मार्च को माधवराव सप्रे समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में होगा। सुबह 11 बजे से आयोजित व्याख्यान का विषय है एक देश एक चुनाव। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता होंगे भारत के पूर्व मुख्य चुनाव ओ.पी. रावत। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व सामयिक अध्यक्ष एवं हुजूर क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा रहेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.जी. सुरेश होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर करेंगे। इस अवसर पर समसामयिक मुद्दों पर केंद्रित पुस्तक पत्रकारिता का धर्म का विमोचन भी होगा। प्रदेश के जाने माने पत्रकार भुवन भूषण देवलिया की स्मृति में व्याख्यान का यह ग्यारहवा वर्ष है। भुवन भूषण देवलिया स्मृति व्याख्यानमाला समिति के सदस्य अशोक मनवानी ने बताया कि यह आयोजन पहले शनिवार 4 मार्च को होना था, अपरिहार्य कारणों से तिथि में परिवर्तन किया गया है। आयोजन के आरंभ में मुस्कान म्यूजिकल समूह की सांगितिक प्रस्तुति होगी।

परिवहन निगम के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में परिवर्तन संभव नहीं : गोविन्द सिंह राजपूत

विधानसभा में बोले परिवहन मंत्री, सड़क परिवहन निगम के परिसमापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन

भोपाल। प्रदेश के राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने गुरूवार को राज्य विधानसभा में बताया कि मध्यप्रदेश सडक परिवहन निगम के कर्मचारियों की सेवा विनियम के अध्याय-3 के नियम 59 के तहत निगम के कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति आयु पूर्व से ही 58 वर्ष निर्धारित है। राजपूत विधानसभा में विधायक जालम सिंह पटेल के द्वारा उठाये सवाल का उत्तर दे रहे थे। राजपूत ने बताया कि 2005 में सड़क परिवहन निगम को बंद करने का निर्णय शासन के द्वारा लिये जाने पर निगम 90 फीसदी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। मध्यप्रदेश सड़क परिवहन निगम के परिसमापन की कार्यवाही अंतिम चरण में है फिलहाल निगम के 94 चतुर्थ श्रेणी एवं 06 दैनिक वेतन भोगी सहित कुल 223 कर्मचारी शेष है जो विभिन्न विभागों में कार्यरत है, जिनके संविलियन की कार्यवाही में आ रही अडचनों दूर कर पूर्ण की जायेगी ।

आदिवासी क्षेत्रों में खरीदी बिक्री पर प्रतिबंधः गुरूवार को विधानसभा में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने विधायक सुमित्रा देवी कास्डेकर के सवाल के लिखित उत्तर में बताया कि आदिवासी विकासखण्डों के अधिसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों की संपत्ति जैसे कृषि भूमि, मकान, दुकान, प्लॉट आदि की खरीद बिक्री पर प्रतिबंध है। परंतु अनुसूचित क्षेत्र मकान, दुकान, प्लॉट आदि के क्रय विक्रय हेतु मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता-1959 की धारा 165(6)(क) के प्रावधानों के अनुसार कलेक्टर से अनुमति प्राप्त कर क्रय-विक्रय की जा सकती है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मोरबी के अनीस का बर्छी फेंक में गुजरात में दसवां स्थान

भोपाल। नडियाद स्पोर्ट्स कंपलेक्स में संपन्न हुई चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी एथलेटिक मीट 2023 में भाग लेते हुए दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के छात्र अनीस ने अंडर 11 बरछी फेंक में राज्य में दसवां स्थान प्राप्त किया । राज्य के विभिन्न विभिन्न जिलों से आए लगभग 300 प्रतियोगियों में से अनीस ने यह स्थान प्राप्त किया। 3 दिन चले इस एथलेटिक मीट में पूरे प्रदेश से 10000 बच्चों ने 20 से अधिक खेलों में भाग लिया। याद रहे 1 दिन पहले दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के ही छात्र ने अंडर 9 में बर्छी फेंक में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया था। उनकी इस उपलब्धि पर कोच अली खान ने काफी खुशी जाहिर करी और बच्चों के अच्छे एवं उज्जवल भविष्य की कामना करी साथ ही साथ स्कूल के प्रधानाचार्य श्री मिलिंद ने दोनों ही बच्चों एवं उनके परिवार जनों को बधाई दी।

संवाद, समन्वय और सामंजस्य से काम कर बूथ को करें मजबूतः अजय जामवाल

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने उमरिया जिले की बैठक को किया संबोधित

उमरिया। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्रीअजय जामवाल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र और राज्य सरकारें अनेक योजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग को बिना किसी भेदभाव के लाभान्वित कर रही हैं। हमें इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर और संवाद, समन्वय तथा सामंजस्य से काम करते हुए अपने बूथ को मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए। जामवाल ने यह बात गुरुवार को उमरिया में जिला स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कही।अजय जामवाल ने कहा कि हमारी सरकारें समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करती हैं और गरीब कल्याण की योजनाएं इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर लागू की जा रही हैं। हमें सभी योजनाओं

के हितग्राहियों तक जाकर उनसे चर्चा कर पार्टी की रीति नीति से अवगत कराना चाहिए और अपने साथ जोड़ना चाहिए। पार्टी के हर कार्यकर्ता पर अपने बूथ को मजबूत करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आपका बूथ और शक्ति केन्द्र मजबूत होंगे तभी पार्टी की जीत सुनिचित होगी। उन्होंने बूथ विस्तारक अभियान-2 और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए दिशा निर्देश भी दिए। पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल गुरूवार को उमरिया प्रवास पर थे। जामवाल ने प्रवास के दौरान पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा व प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष एवं संयोजकों के साथ बैठक कर संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्यक्रमों के संदर्भ में चर्चा की। इस दौरान प्रदेश महामंत्री व शहडोल संभाग प्रभारी शरदेंदु तिवारी, प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, सांसद श्रीमाद्री सिंह एवं जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे सहित पार्टी के जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश महामंत्री व शहडोल संभाग प्रभारी शरतेंदु तिवारी, प्रदेश महामंत्री रणवीर रावत, सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह एवं जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे उपस्थित रहे।

आंखों को मिली नई रोशनी

भोपाल। अरविन्दम गुप्ता, 56 वर्षीय, निवासी प्राप्ति नगर बरखेड़ा, भोपाल, की मृत्यु के पश्चात उनकी दोनों आंखे 25/02/2023 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल मे दान की गई। इनकी आंखों की पुतलियों को दो युवा मरीजों को जिनको बहुत जरुरत थी, उनको लगाई गई । उनके इस उपकार से इन दोनों रोगियों को नया जीवन मिल सका है और अब वे जीवन की रोशनी देख सकेंगे। दानदाता अरविंदम गुप्ता की पत्नी सुमा गुप्ता एवं उनके भाई विजित गुप्ता ने एम्स भोपाल मे आकर अरविंदम गुप्ता के मृत्यु उपरांत नेत्रदान करवाया। एम्स भोपाल सभी से अनुरोध करता है की मृत्यु उपरान्त अपनी और अपने परिजनों के नेत्र दान करे जिससे कि वो किसी की आँखों के जरिये इस दुनिया मे जीवित रह सके । एम्स भोपाल उनके इस योगदान की सराहना करता है और इनका हमेशा आभारी रहेगा ।

सीनियर डीसीएम की दमनकारी नीतियों के विरोध में मजदूर संघ ने लगाए नारे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पश्चिम मध्य रेल मजदूर संघ,भोपाल मंडल के द्वारा पीएनएम के बैठकों में कर्मचारियों के बीच व्याप्त समस्यायों की ओर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया जाता है ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारी श्रीमती प्रियंका दीक्षित के द्वारा प्रत्येक बैठकों में आश्वासन दिया जा रहा था किंतु कर्मचारियों के लिए किए जा रहे कल्याणकारी वायदों को करने के वाबजूद लिखित आदेश जारी न करने के करना अशांति का माहौल बन गया है । मंडल के कर्मचारियों में व्याप्त रोष के परिणाम स्वरूप आज मंडल कार्यालय में आयोजित पीएनएम बैठक के दौरान महामंत्री अशोक शर्मा व मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे के आह्वान पर संघ पदाधिकारियों ने हल्लाबोल किया , साथ ही मंडल कार्यालय परिसर में वाणिज्य अधिकारी के खिलाफ दमनकारी नीतियों के विरोध में मुर्दाबाद के नारे लगाए गए ।

ज्ञात हो की मंडल के वाणिज्य विभाग में ट्रांसफर ,पोस्टिंग को लेकर मनमाना रवैया अपनाया जा रहा । विभाग में कई कर्मचारी सालों से कुंडली मारके बैठे है , जबकि फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों को मनमाने ढंग से पोस्ट किया जा रहा है । इस तरह की पोस्टिंग आदेश को जारी करवाने में जिन महाशयों की सलाह पर कार्य हो रहा है , वो अंगद के पैर की तरह वर्षो से यहीं जमे हुए हैं , जबकि विभाग में नियम के अनुसार इनकी पोस्टिंग फील्ड में ही होनी चाहिए ।

मंडल अध्यक्ष राजेश पांडेय के कहा की बार बार चेतावनी दिए जाने के वाबजूद यदि प्रशासन ने अपना रवैया नहीं बदला तो मजदूर संघ वाणिज्य अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही हेतु व्यापक रूप से लामबंद होकर धरना , आंदोलन करेगा ।

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में राहतगढ़ मंडल में 1 क्वाटर फाईनल एवं 2 सेमी फाईनल मैंच हुए

6 टीमों ने लिया हिस्सा, जागेश चौबे अर्द्ध शतक बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे, मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 607 मैच खेले जा चुके हैं

सागर। गुरूवार को राहतगढ़ मंडल में 1 क्वाटर फाईनल एवं 2 सेमी फाईनल मैच खेले गये जिसमें 06 टीमों ने हिस्सा लिया। मंडल में 10 ओवर के 3 मैच खेले गये। गौरतलब है कि मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 607 मैच खेले जा चुके हैं।

गुरूवार को राहतगढ़ मंडल में पहला क्वाटर फाईनल मैच टीम हिनोतिया1 एवं हिनोतिया2 के बीच हुआ जिसमें टीम

हिनोतिया1 ने टीम हिनोतिया2 को हराया सुमित सेन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। सेमी फाईनल के पहले मैच में टीम हिनोतिया1 ने टीम ऐरनमिर्जापुर को हराया प्लेयर ऑफ द मैच सुमित सेन रहे। दूसरे मैच में टीम फ्रेंड क्लब राहतगढ़ ने टीम टाईगर11 राहतगढ़ को हराया प्लेयर ऑफ द मैच जागेश चौबे अर्द्ध शतक बनाकर रहे। दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर आकाश सिंह राजपूत, आनंद राज, सितू सिलावट, जागेश चौबे, सतीश तिवारी, अमित चौधरी, डब्बू ताम्रकार, प्रियंक तिवारी, अमित चौबे, सत्यम अग्रवाल, मोनिक, चार्ली यादव, आरिफ कुरैशी, फरीद मंसूरी, मुन्ना कुरैशी, रमेश डाबरी सरपंच, मुरलीधर रजक सरपंच, आशीष, आशू जैन, नीरज सेन, राजू लोधी, पप्पू राय, अक्षय पटैल सहित सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्टेडियम पहुंचकर मंत्री ट्रॉफी के तहत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ का आनंद लिया।

स म्पा द की य

सरकारी स्कूलों की ग्रेडिंग

सरकार लगातार कहीं माडल स्कूल खोल रही है, कहीं एक्सीलेंस स्कूल खोल रही है और अब तो मुख्यमंत्री राइज स्कूल भी खोल दिए गए हैं। इनका उद्देश्य सामान्य स्कूलों से बेहतर पढ़ाई ही है, लेकिन इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि सरकारी स्कूलों में से एक को भी ए प्लस ग्रेड नहीं मिल पाया है।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी रिपोर्ट में सामने आई जानकारी में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि प्रदेश के पहली से आठवीं तक के 1 लाख सरकारी स्कूलों में से एक को भी 'ए' प्लस ग्रेड नहीं मिला है। यह रिपोर्ट पिछले साल में दो हिस्सों में तैयार की गई। पहली जून से अगस्त और दूसरी सितंबर से नवंबर 2022 के बीच की है। इसका खुलासा हुआ विधानसभा में कांग्रेस विधायक हर्ष विजय गेहलोत के सवाल के जवाब में।

जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार कहते हैं कि

शिक्षा के स्तर में सुधार के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूलों में प्रवेश, बच्चों और शिक्षकों की उपस्थिति, पढ़ाई, समानता, स्कूलों में अधोसंरचना विकास, प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन तथा साक्षरता कार्यक्रम आदि बिंदुओं को लेकर स्कूलों का 100 अंक का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया गया था। रिपोर्ट में छात्रों के स्वास्थ्य, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और नियमितीकरण, विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान जैसे पैरामीटर नहीं जोड़े गए, जिस पर सवाल में आपत्ति जताई गई। पहली तिमाही यानी जून से अगस्त के बीच ए ग्रेड 15 जिलों को प्राप्त हुआ जो दूसरी तिमाही सितंबर से नवंबर के बीच 3 जिलों में सिमट गया।

जून से अगस्त के बीच रतलाम जिला प्रदेश में अकेला था जो 'सी' ग्रेड में था। दूसरी तिमाही में सात और जिले इसमें जुड़ गए। पहली तिमाही में सी ग्रेड में रतलाम और दूसरी में धार सबसे नीचे रहा। भोपाल दूसरी तिमाही में 51 से 29वें, इंदौर 42 से 28वें और जबलपुर 37 से 25वें स्थान पर पहुंच गया। यहां एक बात यह उल्लेखनीय है कि प्राइवेट स्कूलों में सरकारी स्कूलों के मुकाबले शिक्षकों को वेतन कम मिलता है। हालांकि सरकारी स्कूलों में भी कई श्रेणियों वाले शिक्षक हो गए हैं, जिनमें संविदा शिक्षक भी शामिल हैं, लेकिन कुल मिलाकर तो संविदा वाले शिक्षकों का भी वेतन कई जगह प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों से बेहतर है। स्कूली शिक्षा की ही बात की जाए तो सरकारी व्याख्याताओं और प्राचार्यों का वेतन जितना है, कई स्कूलों में आधा स्टाफ उतना वेतन कुल मिलाकर पाता है।

सवाल यहां शायद केवल वेतन का नहीं है। मुद्दा अहम है, प्रबंधन का। मुद्दा महत्वपूर्ण है कौन अपनी ड्यूटी बेहतर तरीके से निभाता है। प्रबंधन में केवल स्कूलों का प्रबंधन शामिल नहीं है, अपितु यह भी शामिल होता है कि बेहतर स्किल वाले शिक्षकों को लूप लाइन में डाल दिया जाता है। कई बार वे लिपिकीय कार्य कर रहे होते हैं। कई स्कूलों में दो शिक्षक पूरी प्राथमिक शाला के बच्चों को पढ़ा रहे होते हैं, तो राजधानी सहित कई शहरों में स्कूलों में जुगाड़ वाले शिक्षकों की भरमार होती है। वे चेहरा दिखाने ही स्कूल जाते हैं। संचालनालय में और संभागीय व जिला कार्यालयों में कई अच्छे शिक्षक मक्खियां मारते मिल जाएंगे, तो कई शिक्षक पढ़ाने के बजाय आवासीय विद्यालयों में कमाई करते मिल जाएंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री से लेकर अधिकारी तक या तो शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे होते हैं या फिर कहां कौन सी बड़ी योजना ले जानी है, जिसमें अच्छी राशि मिल जाए, इस में अधिक व्यस्त रहते दिखते हैं। भाषणबाजी और बयानबाजी अधिक होती है। कार्यशालाओं के नाम पर भी अपनी पसंद के लोगों को बुलाकर उन्हें उपकृत कर लिया जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी स्कूलों से अच्छे बच्चे नहीं निकलते, लेकिन बेहतर प्रबंधन का सर्वथा अभाव होता है। शिक्षा के परिसरों में राजनीति और विचारधाराओं की जंग भी कहीं न कहीं प्रभावित करती है। भ्रष्टाचार का रोग यहां भी लगा हुआ है, यही कारण है कि अच्छी स्किल वाले शिक्षकों को हाशिए पर रख दिया जाता है या फिर आवासीय स्कूलों में भेजकर उन्हें भी भ्रष्टाचार के तरीके सिखा दिए जाते हैं, जहां बच्चों की फर्जी संख्या से लेकर तमाम और मामले अहम हो जाते हैं, जिनमें शिक्षक उलझा रहता है, उसे ऊपर तक पैसा भी पहुंचाना होता है।

केवल वेतन ही मामला नहीं होता, उनकी यूनियनें भी बनी होती हैं। उसकी राजनीति अलग होती है। कुल मिलाकर सरकारी स्कूलों की रामकहानी अलग ही है। इसमें आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। हां, फर्जी ग्रेडिंग करके स्कूल शिक्षा को बेहतर दिखाने के प्रयास तो कभी भी हो सकते हैं, होते रहते हैं। वैसे तो सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को राष्ट्रपति पुरस्कार तक मिल जाते हैं, लेकिन स्कूलों की ग्रेडिंग आशाजनक नहीं हो पाती।

विकासवाद के मोदीमंत्र से बदलती राजनीति-बदलता देश

सरयूसुत मिश्रा

नार्थ ईस्ट के तीनों राज्य त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय ईसाई-मुस्लिम और बौद्ध बहुल राज्य माने जाते हैं. इन सभी राज्यों में सरकार चलाने के बाद दोबारा सत्ता में वापसी करना पूरे देश में बीजेपी की स्वीकार्यता को दिखाता है. ऐसा लगता है कि विकासवाद की मोदी पॉलिटिक्स के सफलतम प्रयोग के कारण बीजेपी पर लगने वाले कम्युनल राजनीति करने का दौर अब मिट रहा है. इन तीनों राज्यों में हिंदू-मुस्लिम और ईसाई की जातीय राजनीति अस्वीकार की गई है. नार्थ ईस्ट ने विकासवाद की राजनीति पर मोहर लगाई है. जाति धर्म की राजनीति को नकारा गया है।

बीजेपी के साथ ही देश के सभी राजनीतिक दलों व क्षेत्रवाद और क्षेत्रीय दलों के लिए इन नतीजों में सांकेतिक संदेश छुपे हुए हैं. कांग्रेस को पूर्वोत्तर में मजबूत माना जा रहा था लेकिन चुनाव परिणामों ने दिखाया है कि कांग्रेस अपने अब तक के सबसे खराब हालात में पहुंच गई है. रीजनल पार्टीज की क्षेत्रीय भावनाओं को पूरी तौर से मंजूर करने की बजाय इन राज्यों के मतदाताओं ने राष्ट्रीय भावनाओं के साथ अपनी भावनाओं को प्रदर्शित किया है. पूर्वोत्तर राज्य भारत की सुरक्षा की दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण हैं. इन राज्यों में बहुत लंबे समय से अस्थिरता का माहौल बना हुआ था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने इन राज्यों की बुनियादी समस्याओं को हल करने की ओर मजबूती के साथ कदम बढ़ाया है।

पूर्वी भारत देश का एक तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है. तरक्की का शिखर हासिल करने के लिए जरूरी सभी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तत्व होने के बावजूद इस अंचल ने पिछड़ेपन का दर्द झेला है. पीएम मोदी ने एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर काम चालू किया. पूर्वोत्तर के राज्यों में अधोसंरचना, रेल-सड़क-बिजली और कनेक्टिविटी की योजनाओं को तेजी के साथ लागू किया. जीवन की मूलभूत सुविधाएं पहुंचा कर वहां लोगों के जीवन स्तर को सुधारने का काम भी मोदी सरकार ने किया है. प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी जनहितैषी योजनाओं का लाभ इन राज्यों में पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बीजेपी के लिए पूर्वोत्तर भारत पर विजय के विशेष मायने हैं. पहली बार जीत और पांच साल सत्ता चलाने के बाद फिर से सत्ता में वापसी आसान नहीं मानी जा रही थी. बीजेपी के खिलाफ कम्युनल पॉलिटिक्स का आरोप लगाते हुए सेकुलर राजनीति का दावा करने वाले दलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी. यहां तक कि दशकों तक एक दूसरे के कट्टर राजनीतिक विरोधी रहे कांग्रेस और वामदलों ने बीजेपी से मुकाबले के लिए गठबंधन कर लिया था. इस गठबंधन को इन चुनावों में नकार दिया गया है।

बेमेल गठबंधन की राजनीति कभी भी बेहतर शासन के लिए उपयुक्त नहीं मानी गई है. त्रिपुरा में कांग्रेस और वाम दलों के गठबंधन के चुनाव में तो अच्छे परिणाम आए नहीं लेकिन लोकसभा चुनाव के नजरिए से राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता के प्रयासों में भी इसके दुष्परिणाम दिखाई देंगे. ममता बनर्जी की टीएमसी ने कांग्रेस और वामदलों के विरुद्ध चुनाव लड़ा।

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक हालातों को देखते हुए ममता बनर्जी ऐसे किसी गठबंधन में शामिल नहीं होना चाहेंगी जिसमें कांग्रेस और वामदल शामिल हों और बिना ममता बनर्जी के कोई भी विपक्षी राष्ट्रीय गठबंधन या तालमेल परिणाम मूलक नहीं हो सकेगा. त्रिपुरा में आदिवासी जनसंख्या को आधार बनाकर स्थानीय भावनाओं को उभारने में तिपरा मोथा पार्टी पहली बार चुनाव में उतरी थी और अच्छा समर्थन हासिल किया है।

उत्तर भारत में तो बीजेपी के मुकाबले में कांग्रेस की स्थिति पहले से ही काफी कमजोर मानी जा रही है. पूर्वोत्तर भारत में जहां कम्युनल राजनीति का कोई स्थान नहीं माना जाता, वहां कांग्रेस की संभावनाएं देखी जा रही थी लेकिन चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के लिए बड़ा सेटबैक खड़ा किया है. राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद यह पहले चुनाव हैं. राहुल की यात्रा से कांग्रेस में उत्साह का संचार को देखा गया है. ऐसा माना जा रहा था कि चुनावों में पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर सकती है लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया।

यात्रा का दूसरा चरण अरुणाचल प्रदेश से पोरबंदर तक निकालने की तैयारी चल रही है. धार्मिक नफरत और सांप्रदायिक राजनीति चाहे बीजेपी की ओर से की जाए और चाहे कांग्रेस की ओर से की जाए, इस पर मतदाता सतर्कता पूर्वक अपना मत निर्धारित करता है. विकासवाद राजनीति में उभर रहा है, जो विकास को ईमानदारी से अंजाम देने में सफल होगा वही राजनीतिक दल भविष्य की राजनीति में राज्य और देश के नेतृत्व में सफल हो सकेगा।

नरेंद्र मोदी भारत में विकास की राजनीति के प्रतीक बन गए हैं. देश में यह भरोसा मजबूत हो गया है कि उनकी लीडरशिप में विकास की राजनीति को अंजाम दिया जा रहा है. उनके विरोध में जो धार्मिक और सांप्रदायिक विवाद खड़े किए जाते हैं उस पर देश के नागरिकों का भरोसा अब नहीं बचा है. चाहे बीबीसी डॉक्युमेंट्री का विवाद हो या उद्अयोगपति अडानी के साथ पीएम मोदी को जोड़कर आरोप लगाने की राजनीति हो, इन चुनावों ने यह साबित कर दिया है कि विपक्ष के इन आरोपों पर देश को कोई विश्वास नहीं है।

नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में जब यह कहा था कि वे 140 करोड़ देशवासियों के भरोसे पर खड़े हैं. तब विपक्ष ने इसको अति आत्मविश्वासी वक्तव्य माना था लेकिन इन चुनाव परिणामों ने पूरे देश में समान रूप से मोदी के प्रति विश्वास की लहर को स्थापित कर दिया है. ऐसा विश्वास हासिल करना किसी के लिए भी आसान नहीं होता।

बिगड़ता मौसम, सबको सोचना होगा

बीते कल भोपाल का तापमान 36 डिग्री था । अगले 4 दिनो में इसके 39 डिग्री तक पहुँचने की भविष्यवाणी मौसम विभाग कर रहा है। यह सब ऋतु-चक्र में आये बदलाव के कारण हैं । अब तो बारह महीने लोगों से हम यह सुनते आ रहे हैं- इस बार तो गर्मी ने हद कर दी... ऐसी गर्मी तो मैंने कभी नहीं झेली। बरसात में इस बार की बरसात ने तो हाहाकार मचवा दिया... जिधर देखो पानी ही पानी। इसी तरह जाड़ा - ऐसा जाड़ा कि हड्डियां हिलाकर रख दीं। बारह महीने ऋतुओं के बदलाव ने सभी को परेशान कर दिया है।

पिछले साल जून में उत्तर भारत सहित देश के तकरीबन सभी हिस्सों में बेहाल कर देने वाली गर्मी पड़ी। दिल्ली में पारा जब 48 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर पहुंचा तो लोगों पर ही इसका असर नहीं दिखा बल्कि पशु-पक्षी भी हलकान दिखे। इस साल राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित तमाम प्रदेशों में कड़ाके की ठंड ने सबको बेहाल कर दिया। इस फरवरी 2023 में जिस तरह दिल्ली सहित उत्तर भारत में तापमान सामान्य से ऊपर गया है। मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं कि इस बार प्रचंड गर्मी पड़ सकती है।

40-50 साल पहले के मौसम की जानकारी रखने वाले कहते है कि तब भी दिल्ली, लखनऊ , इलाहाबाद, पटना और कानपुर में ऐसा ही मौसम हुआ करता था। लेलोग तब मौसम के असर को लेकर हो-हल्ला नहीं मचाते थे। बदलते ऋतु-चक्र की वजह से दिक्कतें बढ़ी हैं लेकिन इन

समस्याओं का सामना कैसे करना चाहिए इस तरफ कोई गौर नहीं करता । दूसरी तरफ महानगरों और शहरों में लोगों के अंदर सहनशीलता सुख-सुविधाओं के कारण बहुत कम होती जा रही है। चंद लोग ही होंगे जो मौसम का मजा उठाने के लिए खुद को तैयार रखते होंगे। संपन्न परिवारों के लोग सुख-सुविधाओं में जीने के आदी हो गए हैं। वहीं मध्यम वर्गीय, निम्न मध्यम वर्गीय और निम्न वर्गीय परिवार बारहों महीने अपनी सहनशीलता बढ़ाने के बजाय बदलते मौसम अनुकूल साधन-सुविधाएं जुटाने में ही लगे रहते हैं। ऐसे में उनके बारे में सोचिए जिनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं है। वे शीत की रात कैसे काटते होंगे? बेतहाशा बढ़ी गर्मी को सहन कैसे करते होंगे? क्या वे कभी सरकार या किसी और से अपनी दुर्दशा बताने जाते हैं?

अब तो गांवों में भी लोग ऋतु-चक्र के बदलाव का सामना करने में हाय-तौबा मचाने लगे हैं। फिर भी वे भयंकर ठंड के आतंक से घबराते नहीं। अलाव जलाकर ठंड का सामना करते हैं। असल में मौसम का रोना वही रोता है जो मौसम का मजा लेने के लिए तैयार नहीं होता। भूल जाते हैं कि हर मौसम का महत्व है। जाड़ा यदि न पड़े तो रबी की फसल नहीं हो सकती। बरसात न हो जो खरीफ की फसल तैयार नहीं हो सकती है। बिना मौसम बदलाव के धरती पर न तो वनस्पति रह सकती है और न जीव-जंतु। मौसम में पिछले 30-40 वर्षों से कुछ अधिक बदलाव सारी दुनिया में महसूस किया जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग और सुनामी का कहर ही नहीं ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ के बढ़ते खतरे का अहसास आंतकित-अचंभित करने वाला है। ग्रीन हाउस गैसों से बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर कई दूसरी समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। इससे दुनिया में मौसमी आतंक की छाया देखने को मिलने लगी है। अमेरिका जैसे देश में बर्फीले तूफान ने पिछले वर्षों में जो कहर ढहाया, उसे वहां के लोग शायद कभी न भुला पाएं। ऐसे ही भारत में पिछले वर्षों में उत्तराखंड, बिहार और तमिलनाडु में आई बाढ़ और बेमौसम बरसात ने लोगों को परेशानी में डाल दिया। दरअसल, मौसम में उतना बदलाव नहीं आया है जितना कि हमारी जीवनशैली में। मौसम में थोड़ा भी बदलाव आया कि हम परेशान होने लगते हैं।

लोग रोजगार के लिए नगरों और महानगरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हैं, लेकिन यहां आकर अभावों भरी जिंदगी जीते हैं। मौसम की मार ऐसे लोगों को हलकान ही नहीं करती बल्कि मौत का कारण बन जाती है।, मौसम के मुताबिक जिंदगी बसर करना सबके वश की बात नहीं रह गई है, सोचना होगा सबको मिलकर सोचना होगा।

आबकारी घोटाले में सिसोदिया के बाद अगली बारी किसकी?

अरुण पटेल

आम आदमी पार्टी में दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल के बाद नम्बर दो के सबसे शक्तिशाली नेता माने जाने वाले दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया राज्य की आबकारी नीति में हुए घोटाले की जांच के सिलसिले में 8 घंटे की पूछताछ के बाद अंतत: सीबीआई के द्वारा गिरफ्तार कर लिए गए ।सिसोदिया को न्यायालय ने 4 मार्च तक सीबीआई की कस्टडी में भेज दिया है। सीबीआई ने 5 दिन की कस्टडी मांगी थी। इसके साथ ही यह सवाल उठ रहा है कि अब आगे दिल्ली के इस आबकारी घोटाले में आगे अगली गिरफ्तारी किसकी होगी।

कट्टर ईमानदार पार्टी होने का दावा करने वाले अरविन्द केजरीवाल पहले तो कांग्रेस के वोटों में सेंध लगा रहे थे लेकिन उनकी हिमालयीन उछाल मारती महत्वाकांक्षाओं के चलते अब वह भाजपा की आंख की भी किरकिरी हो गए। कांग्रेस पार्टी का हमेशा यह कहना रहा है कि आम आदमी पार्टी भाजपा की बी टीम है। अब भाजपा नेता कह रहे हैं कि अगली गिरफ्तारी अरविन्द केजरीवाल की होगी। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद सबसे तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा का कहना है कि सिसोदिया पहले ऐसे शिक्षा मंत्री हैं जो शराब घोटाले में गिरफ्तार हुए हैं। भाजपा नेता कपिल मिश्रा का ट्वीट है कि सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जेल जा चुके हैं अब अगला नम्बर केजरीवाल का है। वैसे तो सिसोदिया की गिरफ्तारी केजरीवाल के लिए दूसरा बड़ा झटका मानी जा रही है लेकिन राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो यह अरविन्द केजरीवाल के लिए पहला बड़ा भारी झटका है, क्योंकि सिसोदिया के पास अट्ठारह महत्वपूर्ण विभाग थे और एक प्रकार से सरकार का सारा महत्वपूर्ण काम उनके पास ही था और केजरीवाल अपना ध्यान केवल राजनीतिक मुद्दों और देश में आम आदमी पार्टी का विस्तार करने में लगाते थे।

अरविन्द केजरीवाल का कहना है कि मनीष बेकसूर हैं और उनकी गिरफ्तारी गंदी राजनीति है। मनीष की गिरफ्तारी से लोगों में बहुत रोष है, लोग सब देख रहे हैं उन्हें यह सब समझ आ रहा है, जिसका लोग ही जवाब देंगे। इससे हमारे हौसले बढ़ेंगे और हमारा संघर्ष मजबूत होगा। आप के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने ट्वीट किया है कि उनकी पार्टी के नेताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है और सिसोदिया की गिरफ्तारी तानाशाही की इंतहा है व लोकतंत्र के लिए काला दिन है।

बीते वर्ष 2022 के साल में केजरीवाल को पहला झटका लगा था जब ईडी ने मई 2022 में मनी लांड्रिंग के आरोप में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल जैन जेल में ही हैं। सिसोदिया पर सबूतों को नष्ट करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप हैं। आम आदमी पार्टी की चुनाव में जो रणनीति रही है वह दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य व शिक्षा मॉडल को प्रचारित करने की है। अब स्वास्थ्य मंत्री की गिरफ्तारी के बाद शिक्षा मंत्री भी गिरफ्तार हो चुके हैं, हालांकि उनकी गिरफ्तारी बतौर शिक्षा मंत्री नहीं अपितु आबकारी मंत्री के तौर पर हुई है। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अधिकारियों ने सिसोदिया से आबकारी नीति के संबंध में दिनेश अरोड़ा सहित अन्य आरोपियों के साथ संबंधों व फोन से संदेशों के आदान-प्रदान के बारे में पूछताछ की। जांच अधिकारी सिसोदिया के जवाबों से संतुष्ट नहीं थे। उनका कहना था कि सिसोदिया जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया गया। सिसोदिया सीबीआई के सामने पेश होने के पूर्व राजघाट गए और इसके बारे में उनका कहना था कि मैं बापू का आशीर्वाद लेने आया हूं, मेरे ऊपर लगे आरोप झूठे हैं, मैं जेल जाने से नहीं डरता। इसके बाद वे रोड-शो के साथ सीबीआई मुख्यालय पहुंचे। उनके समर्थक धरने पर बैठ गए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय व सांसद संजय सिंह सहित कई समर्थकों को हिरासत में ले लिया गया।

सीबीआई ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार की रिपोर्ट के आधार पर 19 अगस्त 2022 को सिसोदिया सहित 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था जिनमें तत्कालीन एक्साइज कमिश्नर सहित तीन अफसर, दो कंपनियां और नौ कारोबारी शामिल थे। आरोप है कि लायसेंस देने की सरकार की नई नीति से बड़े डीलरों को फायदा पहुंचा और इसके लिए रिश्वत ली गयी थी। इस प्रकार अब आम आदमी पार्टी की कट्टर ईमानदार छवि के सामने एक सवालिया निशान लग गया है और आने वाले समय में ही यह पता चल सकेगा कि इसका जनमानस पर क्या असर पड़ा है, वह इसे घपले-घोटाले के रुप में लेती है या फिर राजनीतिक साजिश मानती है।

भारतः अपराध और सजा की दर

-राकेश दुबे

एनसीआरबी से आए आंकड़ों के बाद देश के राज्यों में सभी प्रकार के अपराधों कुल सज़ा दर बहस हुई ।एक चिंतन शिविर भी गृह मंत्रालय द्वारा सूरजकुण्ड, फरीदाबाद में आयोजित हुआ। देश के सभी राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के गृह मंत्रियों ने इस चिन्तन शिविर में आपराधिक मामलों में सज़ा दर को बढ़ाने पर व्यापक विचार-विमर्श किया । राज्य एकमत थे कि आपराधिक न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है कि अधिकतम मामलों में अपराधियों को अदालतों से सज़ा मिले। किसी भी देश में आपराधिक मामलों में दोष सिद्धि दर वहां की आपराधिक न्याय प्रणाली की कार्यक्षमता एवं सामर्थ्य को दर्शाती है।

भारत में दोष सिद्धि दर लगभग 68 प्रतिशत है, वहीं पाकिस्तान में ये 10 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। विकसित देशों जैसे इंग्लैंड व अमेरिका में दोष सिद्धि दर 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यहां यह बताना जरूरी है कि हत्या, बलात्कार व हत्या के प्रयास जैसे जघन्य अपराधों में भारत में सज़ा दर 40 प्रतिशत से कम है। दोष सिद्धि दर का कम होना न केवल एक अपराधी को अपराध दोहराने की हिम्मत देना है, बल्कि आपराधिक न्याय प्रणाली पर से पीड़ित, उसके परिवार और समाज के विश्वास को भी उठाता है ।सही मायनों में दोष सिद्धि दर आपराधिक न्याय प्रणाली की प्रभावशीलता का सबसे सटीक सूचकांक है। भारत में गम्भीर अपराधों में दोष सिद्धि दर का कम होना एक चिंतनीय और विचारणीय विषय है।

निस्संदेह दोष सिद्धि को सुनिश्चित करने में पुलिस एवं अभियोजन विभाग की अहम भूमिका होती है ।सज़ा दर को बढ़ाने के लिए सबसे पहला कदम सज़ा दर को आपराधिक न्याय प्रणाली के केन्द्र बिन्दु में लाना होगा। पुलिस व अभियोजन विभागों के मूल्यांकन में सज़ा दर को सबसे महत्वपूर्ण स्थान देना होगा। इसके लिए समयबद्ध और वैज्ञानिक जांच पर जोर डालना व गम्भीर दंडनीय अपराधों के सभी माामलों में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य करना आवश्यक है।

सुस्थापित तथ्य है कि दोष सिद्धि में गवाहों की अहम भूमिका होती है। आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार हेतु गठित मलिमथ समिति ने गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। वहीं गंभीर अपराधों के मामलों में यह भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि प्रक्रियात्मक कारणों के चलते ट्रायल में अनावश्यक विलम्ब न हो। आज के सूचना और प्रौद्योगिकी के युग में न्यायिक कार्यवाही अभियुक्त व गवाह की शारीरिक उपस्थिति की जगह तकनीकी माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराकर की जानी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र राज्य बनाम डॉ. प्रफुल्ल बी देसाई 2003 (4) एससीसी 601 में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि धारा 273 के तहत गवाहों की गवाही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से करवाई जा सकती है।

दोष सिद्धि दर कम होने का एक महत्वपूर्ण कारण गवाहों का अपने बयानों से पलटना भी है। यह सुनिश्चित किया जाना बेहद आवश्यक है कि यदि ट्रायल के दौरान, विशेषकर गम्भीर मामलो में, गवाह पलटते हैं व झूठे बयान देते हैं तो उनके विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 340 के तहत कार्रवाई की जा सकती है ।

गंभीर और संवेदनशील अपराधों विशेषकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के मामलों में दोष सिद्धि दर बढ़ाने हेतु सर्वप्रथम चिन्हित अपराध स्कीम को मध्यप्रदेश में लागू किया गया। इसके अंतर्गत गम्भीर व सनसनीखेज मुकदमों की तफ्तीश व पैरवी की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाती है। इस स्कीम के अंतर्गत अपराधों की दोष सिद्धि दर में मिले अच्छे परिणामों उपरांत इसे अन्य राज्यों द्वारा भी लागू किया गया।

अभी अपराधी की गिरफ्तारी से लेकर न्यायालय में आरोप साबित करने में वर्षों का समय गुजर जाता है। यदि इतनी मेहनत, संसाधन व ऊर्जा खर्च करने के बाद भी अपराधी को सज़ा न हो पाए तो इसे आपराधिक न्याय प्रणाली की असफलता कहना गलत नहीं होगा। अब यह सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है कि अपराधियों को, विशेषकर गम्भीर मामलों में दंडित अवश्य किया जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

डॉ सूत्रकार उप संचालक कृषि बने, पदभार ग्रहण किया

छतरपुर। डॉ बीपी सूत्रकार ने 2 मार्च को उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, म.प्र. और परियोजना संचालक आत्मा छतरपुर जिले के पद भार ग्रहण किया।

टाइगरों की सौगात देने 10 कोआएंगे सीएम शिवराज और सिंधिया

शिवपुरी - माधव राष्ट्रीय उद्यान में टाईगर प्रोजेक्ट को लेकर चल रही अटकलों पर अब विराम लगने वाला है। होली के त्यौहार के बाद 10 मार्च को शिवपुरी को तीन टाईगरों की सौंगात देने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शिवपुरी आ रहे है। शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान में टाईगर प्रोजेक्ट का शुभारंभ करने के बाद तीन टाईगरों को शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान में छोडेंगे। इसे लेकर कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आगामी 10 मार्च को जिले के संभावित दौरा कार्यक्रम की तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर विवेक रघुवंशी, वन विभाग के अधिकरियों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निजी संचालक जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 1 घण्टे सोनोग्राफी की सेवा देंगे

खरगोन।। सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान ने बताया कि जिला चिकित्सालय में निजी सोनोग्राफी सेंटर संचालकों द्वारा प्रतिदिन एक घंटा अपनी सेवाएं दी जाकर जिला चिकित्सालय में आने वाली गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की जाएगी। जिससे जिला चिकित्सालय में बढ़ रहे सोनोग्राफी के मरीजों गर्भवती महिलाओं की परेशानी कम होगी। साथ ही जिला चिकित्सालय में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सक को भी सोनोग्राफी संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि वे गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी अच्छे कर सके।

घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग, रिफिलिंग पर 12 सिलेण्डर जप्त

छतरपुर,। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशन में घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग तथा रिफिलिंग रोकने के निर्देश पर जिला खाद्य अधिकारी छतरपुर द्वारा 2 मार्च को शहर के विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच में 12 सिलेण्डर जप्त किये गये। जिला आपूर्ति अधिकारी की जानकारी के अनुसार पन्ना रोड रूद्राक्ष होटल से 4, महोबा रोड पुष्पा यादव की गुमटी से घरेलू गैस को रिफिलिंग पाये जाने पर 4 सिलेण्डर एवं न्यू मुस्कान ढावा से 2 और पन्ना रोड रेल्वे स्टेशन प्रगति फैमली रेस्टोरेंट एवं यादव ढावा से 2 घरेलू गैस का उपयोग व्यवसायिक प्रष्ठिान पर होने से जांच दल के बीके सिंह, ऋषि शर्मा और जीतेन्द्र वर्मन द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर को जप्त किया गया।

एसडीएम सहित नोडल अधिकारियों का सघन निरीक्षणकक्षा 12वीं की हिन्दी की परीक्षा में 658 अनुपस्थित नकल प्रकरण नहीं पाए गए

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी बोर्ड की परीक्षा निर्विघ्न एवं शांति पूर्ण और नकल रहित सम्पन्न कराने के लिए क्षेत्रीय एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित नोडल अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण किया जा रहा है। 2 मार्च को कक्षा 12वीं की हिन्दी विषय की सम्पन्न परीक्षा में 24 हजार 243 छात्रों ने परीक्षा दी तो वहीं 658 छात्र अनुपस्थित भी रहे। इस दिवस नकल का कोई भी प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

वाई-फाई की छतरी पेंशन और आवास के भुगतान में सहयोगी हुई

खरगोन।/डिजिटल लेन-देन से भले ही बैंक सुविधाओं का विस्तार हुआ है। लेकिन ऐसे क्षेत्र जहां नेटवर्क ही नहीं पहुँचा हो वहां ऐसी सुविधा का अनुमान लगाना बहुत कठिन है। मगर ऐसी कठिनाई को दूर करने के लिए सिरवेल की 11वीं पास शिवानी वर्मा ने बहुत खूब तरीका अपना कर इंटरनेट के माध्यम से बैंक से संबंधित काम कर पा रही है। शिवानी नेट के माध्यम से बैंक के कार्य कर सुदुर पहाड़ी क्षेत्र में बैंक का पर्याय बनी है। दो वर्ष पूर्व मजदूरी और सिलाई करने वाली शिवानी आज प्रतिदिन लगभग 30 से 40 लोगों को बैंक सहायता प्रदान कर रही है। किसी खास दिन में तो इनके घर बैंक की तरह भीड़ लग जाती है। प्रतिदिन वो 50 हजार से 1 लाख रुपये तक का ट्रांजेक्शन आसानी से करने में सक्षम है। शिवानी बताती है कि नेटवर्क के लिए उन्होंने घर पर वाई-फाई छत्री लगाई है। यह छत्री इंटरनेट के जरिए काम करने की सुविधा दे रही है। कॉलिंग करना संभव नहीं लेकिन व्हाट्सअप पर वॉईस कॉलिंग के द्वारा बातचीत भी कर पा रहे हैं। जो किसी समय अच्छी स्पीड प्रदान करता है। छत्री से इंटरनेट कभी अच्छी स्पीड के साथ तो कभी स्लो रहता है। मोबाइल से फिंगर डिवाइस से बैंक के काम करने में आसानी हो जाती है।

रोजगार देने के लिए पेपर बेग एंड फाइल मेकिंग का प्रशिक्षण दिया

खरगोन। आजीविका मिशन से जुड़कर स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए आगे आने वाली महिलाओं को आरसेटी द्वारा प्रशिक्षित किया गया। 21 फरवरी से प्रारम्भ हुए पेपर बेग एंड फाइल मेकिंग के 10 दिनों के प्रशिक्षण में 15 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। आरसेटी के डायरेक्टर श्री नरेश कुमार शेन्द्रे ने बताया कि इस प्रशिक्षण में 32 तरह के बैग बनाना सिखाया गया है। इसमें शॉपिंग बैग के अलावा किराना सामग्री तथा फूड आयटम के भी बैग शामिल है।

राज्यपाल पटेल ने ग्रामीणों से किया आत्मीय संवाद

पेसा एक्ट के बारे में दी विस्तार से जानकारी

सिवनी– राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने धनौरा विकासखण्ड के ग्राम साजपानी में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर पेसा एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंडों में पेसा एक्ट लागू किया गया है। एक्ट के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को विशेष शक्तियाँ प्रदान की गई है। जिससे सभी ग्रामवासी मिलकर ग्राम का समग्र विकास कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा %%बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ%% जैसे महत्वकांक्षी अभियान की संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बेटियों के बिना समाज की कल्पना अधूरी है। इसलिए बेटों के साथ साथ बेटियों की शिक्षा एवं उनके समग्र विकास में भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राज्यपाल श्री पटेल ने राज्य आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं के माध्यम से स्व सहायता समूह गठन एवं इनके क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा कर कहा कि स्व सहायता समूह की गतिविधियों के माध्यम से महिलाएँ न सिर्फ़ आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है बल्कि समाज के विकास में भी भागीदार बन रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह की गई अद्भुत एवं प्रशंसनीय पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं हाल ही में शुरू की गयी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश शासन ने गरीबों और जरूरतमंदों की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को समझा है, उनकी चिंता की है और उसी के अनुरूप योजना बनाकर उसे मैदानी स्तर पर क्रियान्वित किया हैं। उन्होंने अपने उद्बबोधन में शासन द्वारा संचालित सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना तथा आजीविका मिशन सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिकल सेल जैसी गम्भीर बीमारी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में ज्यादा देखने को मिल रही है। पति-पत्नी अगर इस बीमारी से पीड़ित हो तो यह बीमारी बच्चों में भी होती है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी से बच्चे की कष्टप्रद मृत्यु हो जाती है। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में सिकल सेल उन्मूलन के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को जड़ से समाप्त करना सरकार का उद्देश्य है।

राज्यपाल श्री पटेल ने जनकल्याणकारी योजनाओं के मैदानी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के किये युवाओं से सहभागिता की अपील की। उन्होंने शिक्षा के महत्व में भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामीणों से अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षित करने की बात की।

केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा की पेसा क़ानून के लागू होने से ग्राम सभाओं को विशेष शक्तियाँ प्राप्त हुई है। जिससे ग्रामवासी अपनी स्थानीय आवश्यकतानुसार उचित निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हो गए हैं। गाँव के छोटे-मोटे विवादों का निपटारा शांति निवारण विवाद समिति के द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने राज्यपाल श्री पटेल द्वारा सिकल सेल अनीमिया को समाप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सांसद डॉ ढाल सिंह बिसेन ने कार्यक्रम में कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार को जनता के सरोकार को पूर्ण करने के लिए संकल्पित हैं सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान योजना, किसान सम्मान निधि सहित अनेक योजनाओं की सौग़ात दी जा रही है। हाल ही में पेसा ऐक्ट के लागू होने से क्षेत्र में अनेक विकास कार्य होंगे और क्षेत्र का उत्थान होगा। इसके माध्यम से हम आत्म निर्भर भारत की संकल्पना को साकार कर पाएगें।

विधायक राकेश पाल सिंह ने कहा कि राज्यपाल मंगु भाई पटेल की सिकल सेल एनीमिया बीमारी को समाप्त करने में विशेष रुचि रखते हैं, जिसके लिए उन्होंने सभी आदिवासी बंधुओं की ओर से राज्यपाल महोदय का आभार व्यक्त किया।

लाड़ली बहिना योजना का शुभारंभ 5 को

अंतरमन से जमीन पर शाश्वत रूप से योजना को उतारने का संकल्प है

छतरपुर। मुख्यमंत्री लाड़ली बहिना योजना का शुभारंभ 5 मार्च को होगा। शुभारंभ के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली बहिनों से मुख्यमंत्री संवाद करते हुये संबोधित करेंगे। सशक्त महिला, सशक्त परिवार, सशक्त समाज और सशक्त प्रदेश के उद्देश्य के लिये यह योजना क्रियान्वित हो रही है। इस दिन योजना का लोबो, फार्म और गीत का भी शुभारंभ होगा। वार्ड एवं ग्राम के शिविरों में बहिने उत्साह एवं उमंग से उपस्थित होंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए कलेक्टर्स चर्चा करते हुये कहा कि लाड़ली बहिना एक मिशन है जो महिलाओं के कल्याण के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना को अंतरमन से जमीन पर शाश्वत रूप से उतारने का संकल्प है। गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों की बहिने कई कठिनाइयों से सामाजिक पारिवारिक जीवन में जूझती है, उनके स्वाभीमान और सम्मान को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में भी सहभागी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई पात्र महिला योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे, फार्म भरने की प्रक्रिया सरलतम हो। जिला कलेक्टर ग्राम एवं वार्ड को यूनिट मानकर शिविर लगाये और फार्म भरने के समय का आंकलन करते हुये महिलाओं को शिविर में उपस्थित होने की सूचना दें। मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिलाकर पर्याप्त तैयारी से फॉर्म फिलअप कराये।

मुख्यमंत्री ने आशा जताई कि ऐसे बच्चे जिनका पोषण स्तर कम है का कुपोषण दूर करने के लिये बच्चे की मां द्वारा योजना में मिलने वाली राशि का उपयोग पोषण स्तर में सुधार हेतु करने से बच्चे पोषित बनेंगे। एनआईसी कक्ष छतरपुर में कलेक्टर संदीप जी आर, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम नमः शिवाय अरजरिया एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा की जीत पर रतलाम में आतिशबाजी कर मुंह मीठा कराया

रतलाम 7 भारतीय जनता पार्टी को पूर्वोतर राज्यों के विधानसभा चुनाव मे मिली सफलता का रतलाम जिले मे जोरदार जश्न मनाया गया। जिला मुख्यालय रतलाम के पैलेस रोड़ स्थित पार्टी कार्यालय से कार्यकर्ता डालू मोदी बाजार पहुंचे और आतिशबाजी कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। आदिवासी अंचल सैलाना मे भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह लुनेरा के नेतृत्व मे कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी मनाई। यहां भी आतिशबाजी के साथ एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाईयां दी गई।

रतलाम के डालू मोदी बाजार चौराहा पर जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय एवं निर्मल कटारिया की अगुवाई मे कार्यकर्ताओं ने जौरदार नारेबाजी कर भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताया आतिशबाजी के बाद कार्यकर्ता एक-दूसरे को मुंह मीठा कराकर बधाई देते रहे। इस दौरान पूर्व जिला महामंत्री मनोहर पोरवाल, जिला उपाध्यक्ष सुनील सारस्वत, जिला मंत्री सोना शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अरूण त्रिपाठी, सहप्रभारी निलेश बाफना, जिला भंडार प्रमुख दशरथ पाटीदार, मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित नीलेश गांधी, कृष्ण कुमार सोनी, विनोद यादव, आन्नदीलाल राठौड़, आई.सेल जिला संयोजक नीलेश राव, राकेश परमार, कमल सिलावट, दिनेश राठौड़, गोपाल शर्मा, प्रो.इमरान, शुभेन्द्र सिंह गुर्जर, पार्षद हितेश शर्मा, गौरव त्रिपाठी, विवेक शर्मा, संजय सांखला, सलीम कुरेशी सहित पार्टी मोर्चो प्रकोष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

भाजपा सरकार द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर के दाम बढ़ाये जाने पर महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

सरकार महंगाई रोकने में पुरी तरह विफल-गुलाब बाई ठाकुर

सीहोर। 1 मार्च को मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा राज्य का बजट पेश किया गया था, उसी दिन केन्द्र की भाजपा सरकार ने घरेलू गैस सिलेण्डर के दाम 50 रूपये तथा कमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम 350 रूपये बढ़ा दिये। इसी बात को लेकर तथा भाजप सरकार द्वारा लगातार बढ़ाई जा रही, बेतहाशा महंगाई के विरोध में जिला मुख्यालय पर महिला कांग्रेस द्वारा जिलाध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के राज में गैस सिलेण्डर भरवाना एक बहुत मुश्किल कार्य हो गया है। घर में रखे सिलेण्डर केवल शो पीस की तरह ही उपयोग में लाये जा सकते हैं। इनके राज में गैस के दाम लगातार आसमान छू रहे हैं और अब यह आम आदमी की पहुंच से बाहर है। इसी को देखते हुए हमने आज यह विरोध प्रदर्शन किया है तथा गैस सिलेण्डर की फूल मालाओं से गैस की टंकी का पूजन किया है। क्योंकि आज गैस सिलेण्डर एक इनती अनमोल और कीमती चीज हो गई कि उसका एक आम परिवार उपयोग तो नही कर सकता केवल पूजन ही कर सकता है। वहीं दूसरी और राज्य सरकार ने भी अपने बुधवार को पेश किये गये बजट में घरेलू गैस सिलेण्डर सहित पेट्रोल डीजल एवं खाद्य सामग्रियों पर टेक्स में कोई भी छूट ना देकर आम तनता पर दोहरा बार किया है।

श्रीमती ठाकुर ने राज्य सरकार द्वारा पेश किये गये बजट की कड़ी निंदा करते हुए इसे जनविरोधी बजट बताते हुए कहा कि इस बजट में किसी भी वर्ग का ध्यान नही रखा गया और राज्य सरकार केवल झुठी वाहवाही लूटने के लिये योजनाऐं बनाती है व घोषणा ही करती है तथा पुरानी योजनाओं पर कोई अमल हुए बिना फिर से नई योजना का शिगुफा छोड़ देती है। श्रीमती ठाकुर ने कहा कि घोषणा वीर मुख्यमंत्री जी हाल ही में लाड़ली बहना योजना लेकर आये हैं, इस बारे में हमारा सोचना यह है कि आप गृहणियों का किचन का बजट टेक्स घटाकर कम करिये इससे ही हमें काफी राहत मिल जायेगी। इस बजट में महिला सुरक्षा एवं महिलाओं के हितों की पुरी तरह अनदेखी की गई है और सीहोर जिला महिला कांग्रेस इस बजट की कड़ी निंदा करती है। अंत में श्रीमती ठाकुर ने कहा कि यदि घरेलू गैस सिलेण्डर के बढ़ाये गये दाम तत्काल वापस कर गैस की टंकी सस्ती नही की गई तो सीहोर जिला महिला कांग्रेस इस महिला विरोधी एवं जनविरोधी सरकार के खिलाफ उग्र प्रदर्शन करेगी, जिसकी सारी जवाबदारी राज्य शासन की होगी। इस अवसर पर उपस्थित महिला कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं में प्रमुख रूप से महिला कांग्रेस सीहोर नगर ब्लाक अध्यक्ष मीरा बाई रैकवार, जिला महामंत्री ममता शर्मा, नीतू सिंह, उर्मिला बाई, लक्ष्मी, छाया सेन, मोहिनी, राजकुमारी, रानी, शारदा बाई, जिला कांग्रेस महा सचिव पंकज शर्मा, गजराज सिंह ठाकुर, धर्मेन्द्र रायकवार आदि प्रमुख है।

ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत 50 अवयस्क बालक बालिकाओं को खोजा

खरगोन। मप्र शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए नाबालिक बालक-बालिकाओ की दस्तयाबी के लिउ विशेष मुस्कान अभियान 15 जनवरी से 28 फरवरी तक चलाए जाने के लिए आदेशित किया गया था। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर ग्रामीण झोन श्री राकेश गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज श्री तिलक सिंह द्वारा पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के उपरांत खरगोन जिले के समस्त थानों के नाबालिक बालक-बालिकाओ के गुम होने संबंधी अपराधों की समीक्षा की गई। वहीं जल्द से जल्द नाबालिक बालक-बालिकाओ की दस्तयाबी करने के लिए निर्देशित किया गया। आदेश एवं निर्देशों के पालन मे पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीरसिंह के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री मनीष खत्री व समस्त अनुविभागी अधिकारी पुलिस नेतृत्व में नाबालिक बालक-बालिकाओ के गुम होने संबंधी अपराधों के विवेचना अधिकारियों की लगातार मीटिंग लेकर केस डायरी की समीक्षा कर गुम हुए बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए प्रयास किए गए। थानों की विशेष टीम द्वारा गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों मे लगातार दस्तयाबी के प्रयास किए। जिनके परिणामस्वरूप खरगोन जिले के विभिन्न थानों द्वारा कुल 50 नाबालिक बालक-बालिकाओं को सकुशल दसत्याब कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

अभियान के पूर्व कुल 72 नाबालिक बालक-बालिकाओं की बरामदगी शेष थी। 15 जनवरी से 28 फरवरी तक कुल 30 गुम बालक बालिकाओं के प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। इस प्रकार कुल 102 बालक बालिकाओं में से 50 नाबालिक बालक बालिकाएं कुल 51 प्रतिशत की बरामदगी अभियान के दौरान की गई। नाबालिक बालक बालिकाओं की दस्तयाबी में डीएसपी सीएडब्ल्यू श्री धर्मवीर नागर, महिला सुरक्षा शाखा प्रभारी सुनीता मुजाल्दे, निरीक्षक भारत सिंह रावत, निरीक्षक रामलाल वर्मा डीसीबी शाखा, निरीक्षक राजकुमार दीक्षित सहित सायबर सेल द्वारा विशेष प्रयास किया गया। बालक बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए प्रत्येक प्रकरण में 5-5 हजार रूपये के ईनाम उदघोषित किये गये विवेचना टीम को विभिन्न संसाधन उपलब्ध कराये जाकर बरामदगी कराई गई। शेष गुम बालक बालिकाओं की दस्तायाबी के प्रयास निरंतर जारी है।

12वीं के 18233 विद्यार्थियों ने हिंदी का प्रश्न पत्र किया हल किया, 634 रहे अनुपस्थित

खरगोन हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा कक्षा 12वीं की परीक्षा गुरूवार को हिंदी विषय के पेपर से प्रारंभ हो गई है। शिक्षा विभाग के कंट्रोल रूम प्रभारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए कुल 89 परीक्षा केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा-विद्युत (सामान्य) शाखा
निविदा क्रमांक WCR-2023-TN000002
Date 28.02.2023

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना क्रमांक**-WCR-2023-TN000002 दिनांक 28.02.2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**-पश्चिम मध्य रेलवे के 3 मंडलों में रूफटॉप/पुलिस, सौर पीवी प्रणाली का कार्यान्वयन" परियोजनाएं डिजाइन पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से 12 मेगाबाट की कुल क्षमता वाले जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडल के विभिन्न स्थानों पर स्थित है। निर्माण, वित्त संचालन और हस्तांतरण (डीवीएफओटी) आधार और दीर्घकालिक निश्चित दर पीपीए के तहत रेलवे को बिजली की आपूर्ति। **निविदा फार्म की कीमत रूपये**-34810/-, **कार्यालय का पता जहां टेंडर फार्म खरीदी जा सकती है**-वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर, **बयाना राशि रूपये**- 16.68 Lakh/MW, **समापन अवधि (वर्ष)**-09 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**-21.03.2023, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)**-21.03.2023। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट https://www.bharat-electronictender.com पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) जबलपुर

वैक्सीन लगवाएं, जीवन के सफर को सुरक्षित बनाये।

30 साल पहले अनिल भाई ने की थी बेतवा उद्गम स्थल से यात्रा: पालीवाल

अनिल दाऊ फाउंडेशन ग्रुप के सदस्यों ने किया बेतवा अध्ययन एवं जन जागरण यात्रा का सम्मान

गंजबासौदा। आज से 30 साल पहले अनिल भाई ने बेतवा के उद्गम स्थल ग्राम झिरी से यात्रा प्रारंभ की थी और अब हमें यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है हम जहां जहां बेतवा स्थल पर गए वहां इतनी स्वच्छता और निर्मल जल देखने को नहीं मिला जितना गंज बासौदा की बेतवा रिपटा घाट पर नजर आ रहा है। मुझे कभी अनिल यादव जी से रूबरू होने का मौका नहीं मिला लेकिन उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पत्रकारिता सहित अन्य क्षेत्रों को लेकर किए गए का कार्य जगजाहिर हैं।

उक्त बात आज यहां बेतवा रिपटा घाट पर अनिल दाऊ फाउंडेशन ग्रुप के सदस्यों द्वारा रखे गए बेतवा अध्ययन एवं जन जागरण यात्रियों के सम्मान समारोह में आरके पालीवाल ने कही। उन्होंने कहा कि अभी तक की जन जागरण एवं बेतवा अध्ययन यात्रा में बेतवा नदी में प्रदूषण के तीन कारण निकल कर सामने आए हैं। पहला कारण श्रद्धालु पूजन सामग्री नदियों में विसर्जित कर देते हैं। वही दूसरा कारण

विभिन्न फैक्ट्रियों से निकला हुआ अवशिष्ट पदार्थ का बेतवा नदी में मिलना पाया गया है। वही सबसे प्रमुख और तीसरा कारण किसानों द्वारा जैविक खाद की जगह की जगह रासायनिक खाद का प्रयोग करना है।

विदिशा के नीमताल तालाब में रही प्रमुख भूमिका इस अवसर पर अपने उद्बोधन में डॉ गर्ग ने कहा कि मैं अनिल भाई को नमन करता हूं और हम सभी अनिल दाऊ फाउंडेशन ग्रुप के सदस्यों द्वारा दिए गए सम्मान से अभिभूत हैं। विदिशा के नीम ताल मैं जो तालाब नजर आता है इसके लिए हमने आंदोलन किया था। जिसमें अनिल भाई की प्रमुख भूमिका रही थी। क्योंकि प्रशासन वहां कॉलोनी बनाना चाहता था और हम सब ने एकमत होकर इसका विरोध जताया था। आखिर में हमारी जीत हुई और वहां तालाब नजर आता है।

कार्यक्रम में मौजूद नपा में सांसद यात्रा और समाचार से किया जन जागरण प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने कहा कि आज से 30 साल पूर्व बड़े भाई अनिल यादव जी के नेतृत्व में हमने ग्राम झिरी से बेतवा उद्गम और उसके अंत तक की यात्रा की थी। इस दौरान बेतवा में प्रदूषण को लेकर उन्होंने अखबार में भी समाचार प्रकाशित किए थे और पूरी यात्रा का वर्णन भी समाचार के माध्यम से अखबार में लाया गया था। आज यह यात्रा देखकर मन प्रसन्न हो गया।

बेतवा को प्रदूषण से बचाने इस यात्रा की रहेगी भूमिका नपा अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव ने कहा कि उस समय बेतवा यात्रा के दौरान सभी लोगों के खाने बनाने की जिम्मेदारी मेरी हुआ करती थी।

शाम के समय जब किसी गांव में हमारा रात्रि विश्राम होता था तब पूरी यात्रा का वृतांत और आगे की यात्रा की रणनीति बनाई जाती थी। आज बेतवा अध्ययन और जन जागरण यात्रा के गंजबासौदा पड़ाव पर सभी सदस्यों के द्वारा हमारी बेतवा नदी को प्रदूषण मुक्त करने में प्रमुख भूमिका रहेगी। हमसे आगे भी जो सहयोग रहेगा वह हम करेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय श्री अनिल यादव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके बाद अनिल दाऊ फाउंडेशन ग्रुप के सदस्यों ने बेतवा जन जागरण यात्रा करने वाले सदस्यों को फूल मालाएं पहनाई और शॉल श्रीफल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया इस मौके पर बेतवा में कई सालों से सफाई अभियान चला रहे नौजवानों को भी फूल मालाएं पहनाई गई और उनका हौसला अफजाई किया गया। बेतवा जन जागरण यात्रा में सुनील द्विवेदी, बच्ची सिंह, उत्तराखंड, मास्टर विजय सिंह, अरविंद द्विवेदी, संग्राम दांगी और हेमंत नागर प्रमुख रूप से शामिल है।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM (MP)
cmohoshangabad@mpurban.gov.in
NIT No/609./E-Tendering/NPN/2023 Narmadapuram Date 01.03.2023

Notice Inviting Tenders
(1th Call)

Online percentage rate bids for the following works are invited from Centralized registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria-

SL No.	Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Docoment	Period of Completion
1.	2023_UAD_254938_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND RCC DRAIN AT WARD NO 13 VINAYAK NAGAR MANDIR TO SONI JI HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	2034103/-	15300/-	5000/-	01 Months (with rainy season)
2	2023_UAD_258259_1	DAMRIKARAN WORK AT VARIOUS 03 LOCATIONS IN WARD NO 05 MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	1998578/-	15000/-	2000/-	01 Months (with rainy season)
3	2023_UAD_256249_1	CONSTRUCTION OF HOKERS ZONE AT IN FRONT OF WAREHOUS AND OTHER PLACE IN NARAYAN NAGAR MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	2316650/-	17400/-	5000/-	01 Months (with rainy season)
4	2023_UAD_256672_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 16 SHRI RAM SATSANG BHAVAN TO JAGDISH PRASAD HOUSE TO MEN ROAD MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP	3208875/-	24100/-	5000/-	01 Months (with rainy season)

The Bid Document can be Download only online from 24 & 28/02/2023 (10.30) & 01/03/2023 (10.30) to 27, 29 & 30/03/2023 (17.30) hour for more Information:- https://mptenders.gov.in

Chief Municipal Officer
Municipal Council Narmadapuram

मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल, म.प्र.

क्र./58 I/2023/50-2/1134838/ भोपाल, दिनांक01/03/2023

प्रति,

कलेक्टर
जिला – समस्त
मध्यप्रदेश

विषय – मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023 के क्रियान्वयन हेतु दिशा निर्देश ।

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार एवं परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने हेतु शासन द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना प्रारंभ की जा रही है।

योजना अंतर्गत पात्र महिलाओं को 1000 रुपये की राशि प्रति माह, उनके स्वयं के आधार-लिंक्ड-डीबीटी-इनेबल्ड बैंक खाते में जमा की जाएगी। योजना का विस्तृत स्वरूप संलग्न **परिशिष्ठ- 'क'** अनुसार है। जिलों से अपेक्षा है कि वह इन निर्देशों के अनुरूप योजना के जिले के अंदर सफल क्रियान्वयन हेतु विस्तृत एवं सूक्ष्म कार्य योजना बनाएँ ताकि योजना का सफल क्रियान्वयन हो एवं इसके उद्देश्य की पूर्ति हो।

1. पात्र महिलाओ के फॉर्म(आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का प्रपत्र)भरवाना

1.1. योजना में लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र महिलाओं के संलग्न **परिशिष्ठ 'ख'** अनुसार फॉर्म (आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का प्रपत्र) भरे जाने हैं।

1.2. छपे फॉर्म आयुक्त महिला बाल विकास कार्यालय से प्राप्त किए जाएँ तथा ग्राम पंचायत/ वार्ड कार्यालयों में आवश्यक संख्या में उपलब्ध कराये जाएँ। फॉर्म स्थानीय स्तर भी छपवाए जा सकते हैं।

1.3. फॉर्म भरवाने में महिलाओं की मदद हेतु ग्राम स्तर पर उपलब्ध कर्मी एवं volunteers की निशुल्क सेवाएँ ली जा सकती हैं।

1.4. फार्म, कैंप आयोजन के पूर्व अथवा कैंप के दिन भी भरवाये जा सकते हैं।

1.5. फार्म भरवाने हेतु आवेदक महिला से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जायेगा।

2. फार्म की पोर्टल/ app में प्रविष्टि हेतु कैंप का आयोजन

2.1 कण्डिका 1.1 में उल्लेखित फॉर्म की प्रविष्टि App/Portal में भरने के लिए प्रत्येक ग्राम/ शहरी वार्ड में कैंप आयोजित किए जाएँ । आवश्यक हो तो बड़े ग्रामो / वार्डो में पात्र महिलाओ की संख्या को देखते हुए एक से अधिक स्थल पर भी कैंप आयोजित किए जा सकते हैं।

2.2 कैंप इस प्रकार आयोजित किए जाये कि कैंप क्षेत्र की सभी पात्र महिलाओ के फॉर्म 30 अप्रैल तक पोर्टल/ App में प्रविष्ट हो जाएँ। प्रत्येक स्थल पर कैम्प अवधि पर्याप्त हो ताकि बिना भीड़-भाड़ के कार्य संपादित हो।

2.3 कैंप के आयोजन की सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार की जाये जिसमें कैंप के आयोजन की तिथि, समय, स्थान, कैम्प में उपस्थित होने वाले अधिकारी का नाम, कैंप प्रभारी एवं अन्य सहयोगी कर्मचारियों के नाम, पदनाम, विभाग का नाम, कैम्प में उपस्थित होने वाली महिलाओं की अनुमानित संख्या आदि विवरण शामिल हो।

2.4 कैंप की सूचना कैंप स्थल पर एवं नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यकर्ता को सूचित करते हुए चस्पा की जाए।

2.5 कैंप आयोजन दिवस में व्यवस्थाएं -

2.5.1. समस्त व्यवस्थाएं एवं तैयारी कैंप प्रारंभ होने से पूर्व सुनिश्चित की जाएँ।

2.5.2. कैंप में इन्टरनेट कनेक्टिविटी के साथ ही निम्नानुसार आवश्यक तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये-

- बायोमेट्रिक डिवाइस
- लैपटॉप/डेस्कटॉप/ LBY app युक्त मोबाइल डिवाइस / टैब्लेट
- यूपीएस (Data Back-up Support),
- वेब कैमरा

2.5.3. कैंप में "आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी" के प्रपत्रों की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित की जाये ।

2.5.4. कैंप में ड्यूटी हेतु विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा सकती है।

2.5.5. कैंप में यथा स्थान सूचना पट्टिकाएं, आवेदकों के बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था, गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यकतानुसार टेंट, पेयजल, मेडिसिन किट आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

2.5.6. कैंप दिवसों में ग्राम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ।

2.5.7. कैंप की अवधि का निर्धारण ग्राम/वार्ड में पात्र हितग्राहियों की संख्या के आधार पर हो ताकि शत प्रतिशत पात्र आवेदनों के निराकरण हो सके।

3. फार्म की पोर्टल/ app में प्रविष्टि

3.1. पात्र महिलाओं द्वारा भरे फार्म की प्रविष्टि लाड़ली बहना योजना पोर्टल/ app में उक्तानुसारआयोजित विशेष कैंप में की जाये।

3.2. प्रविष्टि हेतु कैम्प प्रभारी SAMAGRA के login credentials का उपयोग करके प्रत्येक पात्र महिला की जानकारी की प्रविष्टि पृथक- पृथक करेंगे।

3.3. एक कैम्प में एक से अधिक Login Credentials बनाने के लिए कलेक्टर की अनुमति से जिला E-governance Manager सक्षम होंगे।

3.4. कैंप में महिला को स्वयं आकर अपना फार्म कैंप प्रभारी को देना होगा। अपना समग्र id/ परिवार का समग्र id तथा स्वयं का आधार कार्ड लेकर आना होगा।

3.5. महिला की लाइव फोटो भी खींची जाये ।

3.6. महिला का पूर्व से SAMAGRA पोर्टल पर आधार E-KYC न होने की दशा में उसका E-KYC किया जाये। SAMAGRA में E-KYC न होने पर यथासंभव बायोमेट्रिक डिवाइस से ही E-KYC कराया जाये। विशेष परिस्थिति में ही ओटीपी के माध्यम से E-KYC किया जाये । चूंकि समग्र में E-KYC Status update होने में 24 घण्टे लगते हैं, महिला को समझाईश दी जाए कि वह अगले दिन कैम्प में पुनः उपस्थित हो अथवा कैम्प समाप्त होने की दशा में ग्राम पंचायत/ वार्ड कार्यालय में अपने आवेदन की प्रविष्टि कराये।

3.7. फॉर्म की जानकारी की सफलता पूर्वक प्रविष्टि हो जाने पर फॉर्म के निचले भाग में उपलब्ध पावती में ऑनलाइन प्रविष्टि फॉर्म के आवेदन क्रमांक तथा अन्य आवश्यक जानकारी की प्रविष्टि कर आवेदक महिला को प्रदाय किया जाये । यह ध्यान रहे कि जानकारी के app/ पोर्टल में दर्ज हो जाने के पश्चात ही फॉर्म की पावती प्रदाय की जाए ताकि आवेदक को इस बात की संतुष्टि हो जाए की उसका आवेदन ग्राह्य हो गया है। अपवाद की स्थिति में यदि कैंप स्थल पर पावती न दी जा सके तो आगामी दिवसों में आवेदक को पावती हेतु समय व स्थान से अवगत कराते हुए वितरित की जाए ।

3.8. कैम्प में उपस्थित महिला के पात्रता आयु में न होने, अविवाहित होने अथवा उसके समग्र में E-KYC न होने – केवल इन परिस्थितियों में उसका आवेदन लाड़ली बहना योजना के पोर्टल/एप में प्रविष्टि हेतु ग्राह्य नहीं किया जाएगा तथा पावती में तद्नुसार लेख कर आवेदन को मूलतः वापस किया जाएगा। अन्य अपात्रताओं की जांच अनंतिम सूची प्रदर्शित होने के पश्चात् आपत्ति प्राप्त होने अथवा रैण्डम जांच द्वारा ही की जाएगी।

3.9. ऑनलाइन पावती पोर्टल के माध्यम से भी हितग्राही को Whatsapp/SMS से भेजी जाएगी।

3.10. आवेदन की पोर्टल/एप में प्रविष्टि हेतु आवेदक से कोई भी शुल्क न लिया जाये।

4. कैंप प्रभारियों और सहयोगियों का प्रशिक्षण

4.1. राज्य स्तर से प्रत्येक जिले के लिए 4 से 5 मास्टर ट्रेनर को ऑनलाइन प्रशिक्षण NIC webroom के माध्यम से दिया जाएगा जिसकी तिथि पृथक से सूचित की जाएगी।

4.2. इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों के माध्यम से कैंप के आयोजन, "आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का फॉर्म" भरने, आवेदक द्वारा प्रस्तुत फॉर्म की app /पोर्टल में प्रविष्टि करने, पावती देने इत्यादि गतिविधियों के लिए कैंप प्रभारी सहित कैंप से सम्बद्ध समस्त कर्मचारियों को कैंप आयोजन से पूर्व, विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

4.3. प्रशिक्षण हेतु USER MANUAL राज्य स्तर से उपलब्ध कराया जाए। प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण से पर्याप्त समय पूर्व योजना के 'USER MANUAL' का भली भांति अध्ययन किया जाये।

5. प्रचार-प्रसार :- आवेदकों को कैम्प स्थल पर आवेदन की प्रविष्टि कराने हेतु आवश्यक दस्तावेज़, योजना की पात्रता, अपात्रता , कैंप तिथि आदि के सम्बन्ध में जानकारी दर्शित करते हुए फ्लेक्स उचित स्थान पर लगाया जायें तथा पर्याप्त प्रचार प्रसार किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना में लाभान्वित होने से वंचित न रहे।

6. पात्र हितग्राहियों को लाभ लेने हेतु तैयार करना

6.1. कैंप के पूर्व हितग्राहियों को योजना के लाभ लेने हेतु निम्नानुसार तैयार किया जाए:-

6.1.1. हितग्राही के SAMAGRA id में E-KYC हो यह सुनिश्चित किया जाये। इसे कैंप आयोजन के पूर्व किसी भी MPONLINE /CSC किओस्क पर निशुल्क कराया जा सकता है। अपवाद में कैंप स्तर पर भी यह कार्य किया जा सकता है पर इसके लिए SAMAGRA एवं AADHAAR में हितग्राही की जानकारी में मेल होना चाहिए। ऐसा न होने पर AADHAAR अनुसार SAMAGRA में जानकारी के शीघ्र संशोधन के लिए ग्राम सचिव / वार्ड प्रभारी सहयोग करेंगे।

6.1.2. मैदानी अमले को निर्देशित किया जाए कि योजना का लाभ लेने के लिए समस्त पात्र महिलाओं के स्वयं के बैंक खाते कार्यशील हों, बैंक खाते आधार से लिंक्ड, सत्यापित एवं DBT इनेबल्ड हों अर्थात बैंक खाता न केवल आधार से जुड़ा व सत्यापित हो बल्कि आधार के माध्यम से राशि प्राप्त करने के लिए तैयार भी हो।

6.1.3. बैंक खाते को आधार से लिंक, सत्यापित एवं DBT इनेबल्ड महिला के द्वारा बैंक जाकर ही कराया जा सकता है, अतः उक्त कार्यवाही कैंप से पूर्व करने हेतु पात्र महिलाओं को प्रेरित करना सुनिश्चित करें।

6.1.4. ऐसी महिलाएं जिनके स्वयं के बैंक खाते नहीं हैं, अथवा DBT इनेबल्ड नहीं हैं, उनके बैंक खाते आधार लिंक्ड DBT इनेबल्ड करवाने हेतु आवेदन भरने में सहयोग हेतु मैदानी अमले को निर्देशित किया जाए।यह आवेदन फॉर्म बैंक से प्राप्त कर पूर्व से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ग्राम सचिव/वार्ड प्रभारी को उपलब्ध करा दिये जाएँ।

6.1.5. जिले में DLCC की बैठक आयोजित कर सुनिश्चित करें कि सभी बैंक उक्त कार्य हेतु संवेदनशील हों ।

6.2. आवेदन की app /पोर्टल में प्रविष्टि हेतु camp दिनांक को हितग्राहियों को तैयार करना –

6.2.1. निर्धारित आयु सीमा की पात्र महिलाओं को स्वयं (लाइव फोटो हेतु), आधार कार्ड, परिवार/स्वयं की समग्र आई डी क्रमांक एवं मोबाइल नंबर जो आधार से लिंक्ड हो, के साथ कैंप में उपस्थिति देना होगा। इस आशय की जानकारी प्रचार- प्रसार में पर्याप्त समय पूर्व दी जाना सुनिश्चित किया जाए।

6.2.2. उक्त क्षेत्रों में शिविरों में पर्याप्त संख्या में 'आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का प्रपत्र' की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

7. कैंप के पश्चात् की कार्यवाहियाँ

7.1. अनंतिम सूचियों का प्रकाशन

फॉर्मों की App/Portal पर प्रविष्टि हेतु आमंत्रित कैम्पों की अंतिम तिथि के पश्चात् आवेदकों की अनंतिम सूची, पोर्टल/ ऐप पर प्रदर्शित की जायेगी, जिसका प्रिंट-आउट ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर के सूचना पटल पर भी चस्पा किया जायेगा।

7.2. आपत्तियों को प्राप्त किया जाना

प्रदर्शित अनंतिम सूची पर 15 दिवस तक आपत्तियाँ पोर्टल/ऐप के माध्यम से प्राप्त की जायेगी। इसके अतिरिक्त पंचायत सचिव/ वार्ड प्रभारी को लिखित अथवा सीएम हेल्पलाईन 181 के माध्यम से भी आपत्ति दी जा सकेगी। प्राप्त आपत्तियों को पंचायत सचिव/वार्ड प्रभारी द्वारा सम्बंधित महिला आवेदक की प्रविष्टि के विरूद्ध पोर्टल/ ऐप पर दर्ज किया जायेगा। जो आपत्तियाँ लिखित (ऑफलाइन) प्राप्त हुई हैं उनके सम्बंध में अग्रिम कार्यवाही पंजी में संधारित की जाकर 3 दिन के अंदर ऑनलाइन अपलोड की जायेगी।

7.3. आपत्ति निराकरण समिति

प्रदर्शित अनंतिम सूची पर प्राप्त आपत्तियों का निराकरण आपत्ति निराकरण समिति द्वारा किया जायेगा, जिसका स्वरूप निम्नानुसार होगा -

7.3.1. ग्रामीण क्षेत्र की आपत्तियों के निराकरण हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, क्षेत्र का नायब तहसीलदार एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास की समिति होगी।

7.3.2. नगर परिषद एवं नगर पालिका क्षेत्र की आपत्तियों के निराकरण हेतु तहसीलदार, सीएमओ एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास की समिति होगी।

7.3.3. नगर निगम क्षेत्र की आपत्तियों के निराकरण हेतु आयुक्त नगर निगम, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास की समिति होगी।

7.4. आपत्तियों की जॉच एवं अंतिम सूची जारी किया जाना –

आवेदन पर आपत्ति की जॉच एवं निराकरण 15 दिवस में समिति द्वारा किया जायेगा। समिति केवल उन्हीं प्रकरणों पर विचार करेंगी जिसमें आपत्ति प्राप्त हुई हैं। इसके अतिरिक्त प्राप्त आवेदनों का रैण्डम चयन राज्य स्तर पर किया जाकर उनकी पात्रता सम्बंधी विशेष जांच पृथक से की जावेगी। इस प्रकार चयनित आवेदनों की सूची आवेदनों की प्रविष्टि पूर्ण होने पर भेजी जावेगी।

समस्त आपत्तियों के समय सीमा में परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची आपत्ति निराकरण समिति के स्तर पर सम्बंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत / सीएमओ, नगरीय निकाय / आयुक्त, नगर निगम द्वारा स्वीकृत की जाकर पोर्टल/ ऐप पर ही प्रदर्शित की जायेगी जिसका प्रिंट आउट ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर पर भी चस्पा किया जायेगा। अपात्र हितग्राहियों की पृथक से सूची भी पोर्टल/ऐप पर प्रदर्शित की जायेगी।

7.5. पात्र हितग्राही को स्वीकृति पत्र जारी किया जाना –

अंतिम सूची में पात्र हितग्राही को ग्राम सचिव/ वार्ड प्रभारी द्वारा योजना में लाभांवित होने का "स्वीकृति पत्र" जारी किया जायेगा जिसका प्रारूप पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा ।

7.6. हितग्राही को राशि का भुगतान –

पात्र हितग्राही को राशि का भुगतान उनके आधार लिंक्ड डीबीटी इनेबल्ड बैंक खाते में किया जायेगा। आवेदक महिला के पास स्वयं के नाम से आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड बैंक खाता होना चाहिये। आवेदन की App/Portal में प्रविष्टि के समय उक्त खाता नहीं होने की दशा में महिला हितग्राही को इस सम्बंध में पावती में सूचित किया जायेगा तथा उससे अपेक्षा होगी कि वह स्वयं का बैंक खाता (आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड) खुलवा लें। इसके लिये जिलों द्वारा नियमित अभियान चलाकर निर्धारित समय-सीमा में उक्त कार्यवाही पूर्ण की जायेगी।

भुगतान संबंधी विस्तृत निर्देश पृथक से जारी किए जाएँगे।

7.7. योजना के क्रियान्वयन की समय-सीमा –

क्र	गतिविधियां	समयसीमा
1.	योजना का शुभारंभ	5 मार्च 2023
2.	आवेदन प्राप्ति का प्रारंभ	15 मार्च 2023
3.	आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि	30 अप्रैल 2023
4.	अनंतिम सूची जारी दिनांक	1 मई 2023
5.	अनंतिम सूची पर आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि	1 मई से 15 मई 2023 तक
6.	आपत्ति निराकरण हेतु अवधि	16 मई से 30 मई 2023 तक
7.	अंतिम सूची जारी करने का दिनांक	31 मई 2023
8.	राशि अंतरण का दिनांक	10 जून 2023 तक
9	आगामी माहों में भुगतान हेतु नियत तिथि	प्रत्येक माह की 10 तारीख को

7.8. नियमित परीक्षण एवं सत्यापन –

भविष्य में किसी पात्र हितग्राही के सम्बंध में कोई आपत्ति प्राप्त होती है तो उसकी जॉच आपत्ति निराकरण समिति द्वारा की जायेगी। जॉच में अपात्र होने की दशा में सम्बंधित हितग्राही का नाम सूची से विलोपन योग्य होने की सूचना उसे दी जाकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जायेगा। आपत्ति सही पाये जाने पर ग्राम पंचायत सचिव/ वार्ड प्रभारी द्वारा सम्बंधित हितग्राही का नाम विलोपित किया जा सकेगा।

7.9. जिला स्तर पर समीक्षा एवं निगरानी–

जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति, जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अथवा उनके प्रतिनिधि, जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर सदस्य होंगे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सदस्य सचिव रहेंगे, योजना के सघन क्रियान्वयन हेतु सतत समीक्षा करेगी।

निर्देशानुसार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समस्त तैयारी एवं कार्यवाही पूर्ण करें, ताकि समय सीमा में समस्त पात्र महिलाओं को लाभान्वित किया जा सके।

संलग्न - मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की प्रति एवं आवेदन भरने की जानकारी का प्रपत्र /फॉर्म

(मलय श्रीवास्तव)	(नीरज मंडलोई)	(दीपाली रस्तोगी)
अपर मुख्य सचिव	प्रमुख सचिव	प्रमुख सचिव
मध्यप्रदेश शासन	मध्यप्रदेश शासन	मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग	नगरीय विकास एवं आवास विभाग	महिला एवं बाल विकास विभाग

पृ. क्र./582 /2023/50-2/1134838/ भोपाल, दिनांक01/03/2023

प्रतिलिपि -

1. संभागीय आयुक्त, समस्त संभाग, म.प्र.
2. आयुक्त, नगर निगम, नगरीय प्रशासन विभाग, समस्त म.प्र.
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, समस्त म.प्र.
4. जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, समस्त म.प्र.
5. मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद/नगर पालिका, समस्त म.प्र.
6. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, समस्त जनपद, समस्त म.प्र.

की ओर सूचनार्थ/आवश्यक कार्यवाही हेतु ।

उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल (म.प्र.)
भोपाल, दिनांक01.03.2023

::आदेश::

क्रमांक 581 /1134838/2023/50-2 : राज्य शासन द्वारा प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार एवं परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने हेतु **'मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023'** की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(अजय कटेसरिया)
उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

पृष्ठा. क्र.582/1134838/2023/50-2 भोपाल, दिनांक 01.03.2023

प्रतिलिपि:-

1. प्रमुख सचिव, मान. मुख्यमंत्रीजी
2. स्टाफ ऑफिसर, म.प्र. शासन, मुख्य सचिव कार्यालय, मध्यप्रदेश
3. अपर मुख्य सचिव, म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग
4. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, नगरीय आवास एवं विकास विभाग
5. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
6. आयुक्त, महिला एवं बाल विकास,
7. संभागीय आयुक्त, संभाग – समस्त, मध्यप्रदेश
8. कलेक्टर, जिला- समस्त, मध्यप्रदेश
9. अधिकारी शाखा-2/ गाई फाईल

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

परिशिष्ट - क

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023

1. भूमिका –

प्रदेश में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा उनके आर्थिक स्वावलम्बन हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्त के सन्दर्भ में प्रदेश में महिलाओं के सर्वागीण विकास हेतु निम्नानुसार संकेतांकों को दृष्टिगत रखना आवश्यक है:-

1. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 5 (2020-21) के अनुसार 23.0 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास् इन्डेक्स से कम स्तर पर है।
2. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 5 (2020-21) अनुसार 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 54.7 प्रतिशत परिलक्षित हुआ है।
3. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 में जारी रिपोर्ट "भारत में महिला एवं पुरूष वर्ष 2020" अन्तर्गत प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश मे श्रम बल सहभागिता दर में ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत जहां 57.7 प्रतिशत पुरूष भागीदारी है वही मात्र 23.3 प्रतिशत महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में 55.9 प्रतिशत पुरूषों के विरूद्ध केवल 13.6 प्रतिशत महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी रही है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं की श्रम में भागीदारी पुरूषों की अपेक्षा कम है जो उनकी आर्थिक स्वावलम्बन की स्थिति को प्रभावित करता है।

उपरोक्त परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वालम्बन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु माननीय मुख्यमंत्रीजी, मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2023 को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में "मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना" लागू किये जाने की घोषणा की जिसके अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रूपए महिलाओं को दिए जायेगे। यह महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

2. परिभाषा –

2.1. परिवार समग्र आईडी - राज्य में निवासरत परिवारों की पहचान हेतु जारी यूनिक आईडी, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के "समग्र पोर्टल " से जारी की गयी हो ।

2.2. परिवार -परिवार से तात्पर्य पति, पत्नी एवं उन पर आश्रित बच्चों से है।

2.3. स्थानीय निवासी– स्थानीय निवासी से तात्पर्य मध्य प्रदेश में निवासरत व्यक्ति से है।

2.4. आयकरदाता –ऐसा व्यक्ति जिसके द्वारा विगत वर्ष में आयकर योग्य आय होने के कारण आयकर रिटर्न दाखिल किया हो।

2.5. ई-केवायसी - ई-केवायसी से तात्पर्य समग्र पोर्टल पर आधार में दर्ज जानकारियों का ऑनलाइन सत्यापन ।

2.6. विवाहित महिला - 23 से 60 वर्ष की आयु की विवाहित महिलायें जिसमें विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता भी सम्मिलित हैं।

2.7. पोर्टल/ऐप - योजना के संदर्भ में पोर्टल/ ऐप से तात्पर्य मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023के वेब पोर्टल/ मोबाईल एप्लीकेशन से है।

3. योजना अंतर्गत पात्रता –

योजना के अंतर्गत ऐसी श्रेणी की महिला पात्र होगी जो-

3.1. मध्यप्रदेश की स्थानीय निवासी हो।

3.2. विवाहित हो, जिनमें विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिला भी सम्मिलित होंगी।

3.3. आवेदन के कैलेण्डर वर्ष में, 01 जनवरी की स्थिति में 23 वर्ष पूर्ण कर चुकी हो तथा 60 वर्ष की आयु से कम हो।

4. योजना अंतर्गत अपात्रता –

योजना के अंतर्गत ऐसी महिलाऐं अपात्र होंगी -

4.1 जिनके परिवार की सम्मिलित रूप से वार्षिक आय 2.5 लाख से अधिक हो।

4.2 जिनके परिवार का कोई भी सदस्य आयकरदाता हो।

4.3 जिनके परिवार का कोई भी सदस्यभारत सरकार अथवा राज्य सरकार के शासकीय विभाग/ उपक्रम/ मण्डल/ स्थानीय निकाय में नियमित/स्थाईकर्मी/संविदाकर्मी के रूप में नियोजित हो अथवा सेवानिवृत्ति उपरांत पेंशन प्राप्त कर रहा हो।
परंतु मानसेवी कर्मी तथा आउटसोर्सिंग ऐजेसी के माध्यम से नियोजित कर्मचारी अपात्र नहीं होंगी।

4.4 जो स्वयं भारत सरकार/ राज्य सरकार की किसी भी योजना के अंतर्गत प्रतिमाह राशि रूपये 1000/- या उससे अधिक की राशि प्राप्त कर रही है।

4.5 जिनके परिवार का कोई सदस्य वर्तमान अथवा भूतपूर्व सांसद/ विधायक हो।

4.6 जिनके परिवार का कोई सदस्यभारत सरकार अथवा राज्य सरकार के बोर्ड/निगम/मण्डल/ उपक्रम का अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/ संचालक/सदस्य हो।

4.7 जिनके परिवार का कोई सदस्य स्थानीय निकायों में निर्वाचित जनप्रतिनिधि (पंच एवं उपसरपंच को छोडकर) हो।

4.8 जिनके परिवार के सदस्यों के पास संयुक्त रूप से कुल पॉच एकड़ से अधिक कृषि भूमि हो। यहॉ पर परिवार की परिभाषा कण्डिका 2.2 के अनुसार ही मान्य होगी।

4.9 जिनके परिवार के सदस्यों के नाम से पंजीकृत चार पहिया वाहन (ट्रैक्टर सहित) हो। यहॉं पर परिवार की परिभाषा कण्डिका 2.2 के अनुसार ही मान्य होगी।

5. योजना का विस्तार-

योजना सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के लिए लागू होगी।

6. योजना अंतर्गत सहायता-

6.1. प्रत्येक पात्र महिला को उसकी पात्रता अवधि में 1000/- रूपये प्रतिमाह के मान से राशि का भुगतान आवेदिका के स्वयं के आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड बैंक खाते में किया जायेगा।

6.2. किसी परिवार की 60 वर्ष से कम आयु की महिला को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अथवा अन्य किसी योजना में प्रतिमाह 1,000/- रूपये से कम राशि प्राप्त हो रही हो तो उतनी अतिरिक्त राशि इस योजना में स्वीकृत की जावेगी, जिससे उसे कुल 1,000/- रूपये की राशि प्राप्त हो सके।

योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया-

7.1. आवेदन करने की प्रक्रिया –योजना हेतु आवेदन पोर्टल/ मोबाइल ऐप के माध्यम से भरे जा सकेंगे। इस हेतु निम्नानुसार प्रक्रिया निर्धारित की जाती है –

7.1.1 ऑनलाइन आवेदन करने हेतु आवेदिकाओं के द्वारा पूर्व से ही "आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का प्रपत्र" भरने की सुविधा होगी। उक्त प्रपत्र कैम्प/ ग्राम पंचायत/ वार्ड कार्यालय/ आंगनवाडी केन्द्र में उपलब्ध होंगे।

7.1.2. उक्त भरे प्रपत्र की प्रविष्टी कैम्प/वार्ड/ग्राम पंचायत/वार्ड कार्यालय में नियत कैम्प प्रभारी द्वारा ऑनलाइन की जायेगी एवं सफलतापूर्वक दर्ज प्रत्येक आवेदन की प्री प्रिंटेड पावती दी जावेगी। यह पावती पोर्टल/ app से सीधे एसएमएस/ व्हाटसअप द्वारा भी हितग्राही को प्राप्त होगी। उक्त प्रक्रिया में आंगनवाडी कार्यकर्ता सहयोग करेंगी।

7.1.3. आवेदन पत्र भरने की सम्पूर्ण प्रक्रिया निःशुल्क होगी।

7.1.4. आवेदक महिला को स्वयं उपरोक्त स्थलों पर उपस्थित होना आवश्यक होगा ताकि उसकी लाइव फोटो ली जा सके । इस हेतु महिला को निम्नानुसार जानकारी लेकर कैंप आना आवश्यक होगा:-

1. परिवार की समग्र आई डी
2. स्वयं की समग्र आई डी
3. स्वयं का आधार कार्ड

7.2. अनंतिम सूची का प्रकाशन-आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि के पश्चात् आवेदकों की अनंतिम सूची, पोर्टल/ ऐप पर प्रदर्शित की जायेगी, जिसका प्रिंट आउट ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर के सूचना पटल पर भी चस्पा किया जायेगा।

7.3. आपत्तियों को प्राप्त किया जाना –प्रदर्शित अनंतिम सूची पर 15 दिवस तक आपत्तियाँ पोर्टल/ऐप के माध्यम से प्राप्त की जायेगी। इसके अतिरिक्त पंचायत सचिव/ वार्ड प्रभारी को लिखित अथवा सीएम हेल्पलाईन 181 के माध्यम से भी आपत्ति दी जा सकेगी। प्राप्त आपत्तियों को पंचायत सचिव/वार्ड प्रभारी द्वारा पोर्टल/ ऐप पर दर्ज किया जायेगा।
जो आपत्तियाँ लिखित (ऑफलाइन) प्राप्त हुयी हैं उनके सम्बंध में अग्रिम कार्यवाही पंजी में संधारित की जाकर ऑनलाइन अपलोड की जायेगी।
आपत्तियाँ केवल सूची में दर्ज महिलाओं की पात्रता के संबंध में प्रमाण सहित की जा सकेगी।

7.4. आपत्ति निराकरण समिति-प्रदर्शित अनंतिम सूची पर प्राप्त आपत्तियों का निराकरण **आपत्ति निराकरण समिति** द्वारा किया जायेगा, जिसका स्वरूप निम्नानुसार होगा -

क- **ग्राम पंचायत क्षेत्र की** प्राप्त आपत्तियों के निराकरण हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, क्षेत्र का नायब तहसीलदार एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास की समिति होगी।

ख- **नगर परिषद एवं नगर पालिका क्षेत्र की** प्राप्त आपत्तियों के निराकरण हेतु तहसीलदार, सीएमओ एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास की समिति होगी।

ग- **नगर निगम क्षेत्र की** प्राप्त आपत्तियों के निराकरण हेतु आयुक्त नगर निगम, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास की समिति होगी।

7.5. आपत्तियों की जॉच एवं अंतिम सूची जारी किया जाना–आवेदन पर आपत्ति की जॉच एवं निराकरण 15 दिवस में समिति द्वारा किया जायेगा। समिति केवल उन्हीं प्रकरणों पर विचार करेंगी जिसमें आपत्ति प्राप्त हुई हैं। इसके अतिरिक्त प्राप्त आवेदनों का राज्य स्तर पर रेंडम चयन किया जाकर ऐसे चयनित आवेदनों की पात्रता सम्बंधी विशेष जांच की जा सकेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत/ सीएमओ, नगरीय निकाय/ आयुक्त, नगर निगम द्वारा स्वीकृत की जाकर पोर्टल/ ऐप पर प्रदर्शित की जायेगी। सूची का प्रिंट आउट ग्राम पंचायत/वार्ड स्तर पर भी चस्पा किया जायेगा। अपात्र हितग्राहियों की पृथक सूची भी पोर्टल/ऐप पर प्रदर्शित की जायेगी।

7.6. पात्र हितग्राही को स्वीकृति पत्र जारी किया जाना –अंतिम सूची में पात्र हितग्राही को ग्राम सचिव/ वार्ड प्रभारी द्वारा योजना में लाभांवित होने सम्बंधी "स्वीकृति पत्र" जारी किया जायेगा।

7.7. हितग्राही को राशि का भुगतान –पात्र हितग्राही को राशि का भुगतान उनके आधार लिंक्ड डीबीटी इनेबल्ड बैंक खाते में किया जायेगा। आवेदक महिला के पास स्वयं के नाम से आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड बैंक खाता होना चाहिये। आवेदन ऑनलाइन प्रविष्टि के समय उक्त खाता नहीं होने की दशा में महिला हितग्राही को इस सम्बंध में पावती से सूचित किया जायेगा तथा उससे अपेक्षा होगी कि आवेदिका स्वयं का बैंक खाता (आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड) खुलवा लें। इसके लिये जिलों द्वारा नियमित अभियान चलाकर निर्धारित समयसीमा में उक्त कार्यवाही पूर्ण की जायेगी।

7.8. नियमित परीक्षण एवं सत्यापन–

भविष्य में हितग्राही के सम्बंध में कोई आपत्ति प्राप्त होती है तो उसकी जॉच आपत्ति निराकरण समिति द्वारा की जायेगी। जॉच में अपात्र होने की दशा में सम्बंधित हितग्राही का नाम सूची से विलोपन योग्य होने की सूचना उसे दी जाकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जायेगा। आपत्ति सही पाये जाने पर ग्राम पंचायत सचिव/ वार्ड प्रभारी द्वारा सम्बंधित हितग्राही का नाम विलोपित किया जा सकेगा।
मृतक हितग्राहियों के नाम भी समय समय पर जानकारी प्राप्त होने पर / सत्यपान पश्चात अंतिम सूची से विलोपित किए जाएंगे।

8- निगरानी एवं समीक्षा-

8.1. राज्य स्तर पर समीक्षा एवं निगरानी:- राज्य स्तर पर योजना क्रियान्वयन एवं उसके सतत निगरानी हेतु संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग में "विशिष्ट तकनीकी परियोजना निगरानी प्रकोष्ठ" (STPMU) का पृथक से नियोजन किया जायेगा, जिसका व्यय योजना पर भारित होगा।

8.2. जिला स्तर पर समीक्षा एवं निगरानी- जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति, जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अथवा उनके प्रतिनिधि, तथा जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर सदस्य होंगे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सदस्य सचिव रहेंगे, योजना के सघन क्रियान्वयन हेतु सतत समीक्षा करेगी।

8.3. निर्देशों का जारी किया जाना - योजना के क्रियान्वयन के संबंध में अन्य आवश्यक निर्देश समय-समय पर आयुक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी किये जाएंगे।

9- बजट -

योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक आर्थिक राशि का प्रावधान महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में किया जाएगा।

10- नोडल विभाग एवं क्रियान्वयन-

योजना हेतु राज्य स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग नोडल विभाग रहेगा एवं योजना का क्रियान्वयन क्षेत्र में स्थानीय निकायों द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले के सहयोग से किया जायेगा। योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के भुगतान की स्वीकृति हेतु सक्षम अधिकारी, ग्रामीण क्षेत्र में सम्बंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा नगर निगम क्षेत्र में आयुक्त, नगर निगम तथा नगर पालिका एवं नगर परिषद क्षेत्र हेतु सम्बंधित सीएमओ नगरीय निकाय होंगे।

11- योजना का मूल्यांकन –

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 के कार्य की दक्षता का मूल्यांकन अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्था से कराया जायेगा।

अजय कटेसारिया
उप सचिव
म.प्र. शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना – 2023
आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का पत्रक

1. आवेदिका की समग्र आई.डी. ☐☐☐☐☐☐☐☐☐
2. आधार नंबर ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐
3. आवेदिका का नाम ....
4. आवेदिका के पति / पिता का नाम ....
5. जन्मतिथि - दिनांक ☐☐ माह ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐
6. आवेदिका का पता ....
   ग्राम / शहर (वार्ड) ....जिला ....पिनकोड☐☐☐☐☐☐
7. आवेदिका का मोबाईल नं. ☐☐☐☐☐☐☐☐☐☐
8. वर्ग (✔ लगाये) - सामान्य ☐ अ.जा. ☐ अ.ज.जा.☐ अ.पि.व.☐
9. क्या शासन से विधवा / निःशक्त इत्यादि पेंशन प्राप्त कर रहे है - (✔ लगाये) हॉ ☐ नही ☐
10. विवाह की स्थिति (✔ लगाये) - विवाहित ☐ तलाकशुदा ☐ विधवा ☐ परित्यक्ता ☐

आवेदिका द्वारा की गई घोषणा

- मैं घोषणा करती हूँ कि (✔ लगाये) -

☐ मेरे परिवार की सम्मिलित रूप से वार्षिक आय 2.50 लाख रूपये से कम है।
☐ मैं स्वयं या मेरे परिवार का कोई भी सदस्य करदाता नहीं है।
☐ मैं स्वयं या मेरे परिवार का कोई भी सदस्य केन्द्र / राज्य सरकार के शासकीय विभाग / मंडल / उपक्रम / स्थानीय निकाय में नियमित / संविदा कर्मी के रूप में नियोजित नही है अथवा सेवानिवृत्ति के पश्चात् पेंशन प्राप्त नही कर रहे है।
☐ मेरे स्वंय या मेरे परिवार के किसी भी सदस्य के नाम से चार पहिया वाहन अथवा ट्रेक्टर नही है।
☐ मेरे परिवार के पास सम्मिलित रूप से 5 एकड़ से अधिक भूमि नही है।
☐ मुझे भारत सरकार / राज्य सरकार की किसी योजना में प्रतिमाह 1000 रूपये या अधिक राशि प्राप्त नही हो रही है।
☐ मैं स्वयं या मेरे परिवार में कोई सदस्य निर्वाचित एवं मनोनीत जनप्रतिनिधि (पंचायत के वार्ड पंच या उपसरपंच को छोडकर) नहीं है।
☐ मैं स्वयं या मेरे परिवार में कोई सदस्य भारत सरकार / राज्य सरकार द्वारा चयनित / मनोनित, बोर्ड / निगम / मंडल / उपक्रम के अध्यक्ष / संचालक / सदस्य नही है।

- मैं एतद् द्वारा ये घोषणा करती हूं कि मुझे मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 पोर्टल एप पर आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली के साथ खुद को प्रमाणित करने और आधार आधारित प्रमाणीकरण के बाद अपना आधार नंबर, बायोमेट्रिक या वन-टाइम पिन (ओटीपी) डेटा प्रदान करने की सहमति देने में कोई आपत्ति नहीं है। मैं यह भी सहमति देती हूँ कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 मेरी पहचान स्थापित करने और प्रमाणित करने के लिए मेरे आधार नंबर का उपयोग कर सकता है। मैं एतद् द्वारा केवल सरकारी सेवाओं और / या सरकारी योजना के लाभों को प्राप्त करने के उद्देश्य से अन्य राज्य या केंद्र सरकार के विभागों के साथ अपने आधार ई-केवाईसी विवरण साझा करने की सहमति देती हूं।

(आवेदिका के हस्ताक्षर)

नोट-
1. उक्त प्रपत्र मात्र ऑनलाईन प्रविष्टि हेतु जानकारी एकत्रित करने के लिए है।
2. आवेदन ऑनलाईन सफलता पूर्वक दर्ज होने के पश्चात् निम्न पावती दी जायेगी तथा आपको SMS / व्हाट्स एप के द्वारा भी भेजी जायेगी।

आवेदन की ऑनलाईन प्रविष्टि के पश्चात् पावती फाड़ कर दी जाए-
(कार्यालयीन उपयोग हेतु)

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना – 2023
आवेदन पत्र - पावती

☐ (क) मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 अंतर्गत आपका आवेदन ऑनलाइन सफलतापूर्वक दर्ज कर लिया गया है।
1. आपका ऑनलाईन पंजीयन क्रं. .... एवं आवेदन दिनांक ....../....../........ है।
2. आवेदिका का नाम .... 3. पति / पिता का नाम .... है।
4. आपके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर निम्नानुसार स्थितियाँ पाई गई -
- आपका आधार बैंक अकाउंट से लिंक है - हॉं ☐ नही ☐ (नही होने पर बैंक शाखा में जाकर आधार बैंक से लिंक कराये)
- आपका बैंक अकाउंट DBT Enable है - हॉं ☐ नही ☐ (नही होने पर बैंक शाखा में जाकर डी.बी.टी. इनेबल कराये)

उक्त कार्यवाही पूर्ण किये जाने एवं पात्रता होने पर ही आपके स्वयं के आधार लिंक DBT Enable खाते में राशि प्राप्त होगी।
नोट :- यह मात्र आवेदन की पावती है। आवेदन परीक्षण उपरांत पात्र आवेदिका होने की दशा में ही योजना अंतर्गत लाभान्वित किया जा सकेगा।

☐ (ख) निम्न कारणों से आवेदन ग्राह्य नही किया गया हैं -
☐ अविवाहित होने से
☐ आयु 23 से 60 वर्ष के मध्य न होने से
☐ समग्र में आधार e-KYC न होने से (e-KYC पूर्ण करायें एवं पुनः आवेदन करें।)

(जारीकर्ता के हस्ताक्षर एवं सील)

(योजना से संबंधित जानकारी हेल्पलाइन नंबर 0755-2700800 एवं वेबसाइट www.cmladlibahna.mp.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।)

सार्वजनिक शौचालय परिसर में गड़बड़ी को लेकर ग्रामीणों ने की कार्यवाही की मांग

अमरवाड़ा । जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत राजगुरु पिपरिया में बने सार्वजनिक सामुदायिक शौचालय में लापरवाही और अनियमितताओं का मामला सामने आया है। जिसमें बाहरी परिसर में तो पेंटिंग पुताई कर दी गई परंतु अंदर ना तो प्लास्टर हुआ और ना ही कोई काम हो पाया। जबकि आज भी जस की तस बिना उपयोग के सामुदायिक शौचालय भवन ताला लगा हुआ पड़ा है। जानकारी के मुताबिक लगभग ?3,44,000 की लागत से बने शौचालय का सार्वजनिक रूप से उपयोग किया जाना था परंतु इंजीनियर की अनदेखी और लापरवाही के चलते यह खस्ता हालत में है। ग्रामीणों के मुताबिक बताया जा रहा है कि काम अभी भी आधा अधूरा पड़ा हुआ है परंतु लागत राशि का पूर्ण आहरण कर लिया गया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद पहुंची जनपद उपाध्यक्ष उर्मिला मसराम ने भी मौका स्थल पर पहुंचकर बने सार्वजनिक शौचालय भवन का निरीक्षण किया। जिसमें भारी अनियमितताएं देखने को मिली। जिसको लेकर तुरंत जनपद उपाध्यक्ष ने पत्र लिखकर मामले में निष्पक्ष जांच करते हुए इंजीनियर सहित दोषियों से रिकवरी सहित कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

जिले में तेरह सांसद प्रतिनिधि किये गये मनोनीत

नगर पालिका व नगर परिषद सहित अन्य विभागों में की गई नियुक्तियां

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के सांसद नकुलनाथ की मंशानुसार तेरह सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किये गये। जिले की नगर पालिका, नगर परिषद, चिकित्सालय, मप्र विद्युत वितरण कंपनी, स्कूल एवं कृषि उपज मंडी में सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्तियां की गई है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार शासकीय विभागों में सांसद प्रतिनिधि मनोनीत कर उन्हें विभागवार जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त सांसद प्रतिनिधि निम्नानुसार है। नगर पालिका जुन्नारदेव प्रदीप शर्मा, नगर पालिका चौरई कपिल वर्मा, नगर परिषद चांद हरीश शर्मा, कृषि उपज मंडी चौरई कन्हैया वर्मा, चिकित्सालय चौरई अविनाश शर्मा, हायर सेकेंडरी स्कूल बादगांव चांद नंदगिरी गोस्वामी, म.प्र. विद्युत वितरण कंपनी चांद विनित प्रजापति, नगर परिषद बिछुआ अवधबिहारी दुबे, जनपद पंचायत बिछुआ दिनेश वर्मा, नगर पालिका परासिया अशोक शर्मा, नगर पालिका चांदामेटा युगल विश्वकर्मा, नगर परिषद बड़कुही योगेश अमूल राव एवं नगर परिषद न्यूटन में रूस्तम खान को सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है।

केंद्रीय मंत्री के दौरे को लेकर प्रशासनिक बैठक

अमरवाड़ा । 3 मार्च को भारत सरकार के केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह के अमरवाड़ा आगमन को लेकर आज जनपद सभागार में प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक में आयोजन व्यवस्था पर चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री का अमरवाड़ा आगमन शाम 4ः00 बजे बारात घर अमरवाड़ा में होगा जहां भारतीय जनता पार्टी के पंच परमेश्वर प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। शाम 5ः00 बजे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह मॉडल स्कूल परिसर में महिला स्व सहायता समूह के सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। शाम 7ः00 बजे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह,राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू अमरवाड़ा के जनपद पंचायत अध्यक्ष निलेश कंगाली के निवास पर भोजन करेंगे। उक्त सभी कार्यक्रम की व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण अनु विभागीय अधिकारी राजस्व मनोज प्रजापति, तहसीलदार अमरवाड़ा छवि पंत,भाजपा जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी,केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रमों के प्रभारी नितिन तिवारी,भाजपा मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल,जनपद अध्यक्ष नीलेश कंगाली,नगर निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले,नायब तहसीलदार सौरभ मरावी ने मौका स्थल पर जाकर किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

पावर लिफ्टिंग टीम इन्दौर रवाना

छिन्दवाड़ा । पावर लिफ्टिंग की 15 सदस्यों (महिला एवम पुरुष खिलाड़ियों) की टीम कोच नरेन्द्र सोनी के नेत्रत्व मे इन्दौर मे आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेने के लिये रवाना हो गईं है । सचिव विकास सिह ने बताया कि उक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे मध्यप्रदेश के लगभग 700 खिलाडी भाग ले रहे हैं । पावर लिफ्टिंग एसो के अध्यक्ष शेषराव यादव संरक्षक के आर तिवारी, जिनेन्द्र जैन, सूनील बगई, बलराम यादव सहित सभी पदाधिकारियों ने टीम की सफलता की कामना करते हुए बधाई दी है ।

विभाग प्रमुख अधिकारियों की बैठक आज

छिन्दवाड़ । केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह के 3 व 4 मार्च को जिले में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के संबंध में 3 मार्च को प्रातः 9ः30 बजे कलेक्टर कार्यालय के मिनी संवाद कक्ष में सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों को इस बैठक में निर्धारित तिथि व समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है ।

राष्ट्रपति से सम्मानित होंगी जल सखी

स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान प्राप्त करने श्रीमति अनिता चौधरी हुईं दिल्ली रवाना

छिन्दवाड़ा । भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता मिशन विभाग द्वारा छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम गढ़मऊ की जल सखी श्रीमती अनिता चौधरी का स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान- 2023के लिये चयन किया गया है । यह सम्मान देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आगामी 4 मार्च को विज्ञान भवन नई दिल्ली में प्रदान करेंगी । जल सखी श्रीमती अनिता चौधरी यह सम्मान प्राप्त करने के लिये आज सिवनी व जबलपुर होते हुये नई दिल्ली के लिये रवाना हो गईं हैं। जल सखी श्रीमती चौधरी के साथ जल निगम परियोजना क्रियान्वयन ईकाई सिवनी के प्रबंधक बसंत कुमार बेलवंशी व प्रबंधक जनसहभागिता श्रीमती सुशीला मरावी और श्रीमती गीता भोयर, श्रीमती तिलकबती यादव व श्रीमती संजनी बाई भी रवाना हुये हैं जो सम्मान समारोह में सहभागिता करेंगे । उल्लेखनीय है कि जल सखी श्रीमती अनिता चौधरी द्वारा महिलाओं को जागरुक करने से जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम गढ़मऊ की ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना में ग्राम के लोगों को हर घर जल योजना में घर बैठे ही शुध्द जल प्राप्त हो रहा है और ग्रामवासी जल संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूक हुये हैं एवं ग्राम गढ़मऊ जल ग्राम बन गया है जिसके कारण श्रीमती चौधरी को यह सम्मान प्राप्त हो रहा है।

9 दिवसीय विशाल चुनरी पदयात्रा 22 मार्च से

108 किलोमीटर पैदल चल कपुर्दा माताराणी का दरबार पहुँचेंगे संदीप रघुवंशी

छिंदवाड़ा । चैत्र नवरात्रि रामनवमी व हिन्दु नव वर्ष के शुभ अवसर पर 108गांव ,108 किमी,108मीटर चुनरी, 108भक्त, 108 वाहनों से माता रानी के दरबार कपूर्दा तक पैदल चलकर चौरई विधानसभा की जनता के कल्याण हेतु तीन वर्ष तक पदयात्रा करने का संकल्प भाजपा नेता व जनाधिकार सेवा समिति अध्यक्ष संदीप रघुवंशी ने लिया है 2022मे पहली यात्रा संपन्न हो चुकी है 2023 में यह द्वितिय वर्ष यात्रा आयोजित है। श्री रघुवंशी ने धर्मप्रेमीबंधु, मातृशक्ति, ग्रामवासी, से इस कार्यक्रम में सपरिवार पहुंचने की अपील की है। चुनरी यात्रा 22मार्च से 29मार्च तक प्रात:9बजे स शाम 6 बजे तक प्रतिदिन निकलेगी।

केन्द्रीय मंत्री का करेंगे भव्य स्वागत

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह 3 मार्च को चौरई विकासखण्ड के चांद में हितग्राही सम्मेलन में भाग लेंगे केन्द्रीय मंत्री के आगमन पर भाजपा नेता संदीप रघुवंशी अपनी टीम के साथ केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह का भव्य स्वागत करेंगे।

कार चालक ने युवक को मारी टक्कर दर्ज हुआ मामला

अमरवाड़ा । ग्राम पिंडरई डवीर के पास राम रहेस उम्र 25 वर्ष निवासी चनेरी को कार क्रमांक एमपी 28 सी ए 6294 के चालक ने अत्यंत तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक कार चलाकर टक्कर मार दी जिससे रहे गंभीर रूप से घायल हो जाने पर जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में भर्ती किया गया कार चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने पर उप निरीक्षक ओ पी सनोडिया ने धारा 279,337 ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

गोगपा में सभी धर्म सम्प्रदाय के लोगों के जुड़ने से विरोधी दलों में

छिंदवाड़ा । गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रिय अध्यक्ष सतीश कुमार नागवंशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि कांग्रेस भाजपा के कुशासन से त्रस्त होकर नित्य नए कार्यकर्ता गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में जुड़ रहे है जिससे घबराते हुए विरोधी पार्टियों के नेता षणयंत्र रचने में लग गए है और हिंसा का सहारा लेने लगे है जिससे साबित

होता है कि हमारी पार्टी और हमारी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है जिसके परिणाम स्वरुप हमारे ऊपर हमला हुआ जिसमे हमारी छवि खराब करने कि नाकाम कोशिश विरोधियों के द्वारा कि गई जिसमे पार्टी के कुछ जयचंद भी शामिल थे जिनकी पहचान कर ली गयी है पार्टी में लगातार विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कार्यवाही कि जाएगी एव गोंडवाना गणतंत्र पार्टी मध्यप्रदेश के 37 विधानसभा सीट जो अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है इनमे अनुसूचित जाति मोर्चा विशेष फोकस करेगागोगपा जाति विशेष कि पार्टी है ऐसा गुमराह करते है दूसरे दल के नेता गोंडवाना गणतंत्र पार्टी किसी जातिविशेष पर काम नहीं करती पार्टी के संस्थापक दादा हीरासिंह ने कहा था मानव मानव एक समान सबको शिक्षा सबको सम्मान गोगपा मजदूर मजबूर गरीब असहाय एवं किसानों कि पार्टी है गोगपा में लगातार अल्पसंख्यक समुदाय ओबीसी के लोग दलित वर्ग बड़ी संख्या में हमरे नेतृत्व में शामिल हुए है जिससे जो दल आज तक इन वर्गों को सिर्फ वोट बैंक समझते रहे थे उनके निचे कि जमीन खिसकने लगी है जैसे मैंने दिसंबर माह में अपने वक्तव्य में कहा था कि एस सी एस टी समुदाय के कई संगठन बनाकर अन्य दलों ने आपस में लड़वाने का काम किया है ।

मां बेटी के उत्थान का बजट है प्रदेश सरकार का: संजय जैन

जुन्नारदेव । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार के बजट में अद्भुत अकल्पनीय बजट है यह मां बहन और बेटी के उत्थान का बजट है यह किसानों की आय बढ़ाने वाला बजट है आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का बजट सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी बजट सही मायने में जनता का यह बजट मध्यप्रदेश की विकास की रफ्तार को आगे बढ़ाने वाला हर वर्ग के कल्याण के लिए यह बजट मध्यप्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा जी द्वारा मध्यप्रदेश की विधानसभा में रखा गया है! इस जनहितैषी बजट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि मध्यप्रदेश की बहने लाडली बहना बनेगी साथी युवाओं की शिक्षा एवं रोजगार के लिए बजट बढ़ाया गया है मध्यप्रदेश में सैकड़ों की संख्या में सीएम सनराइज स्कूल खुल रहे हैं जनजाति विकास के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है और उनके बजट में बढ़ोतरी भी की गई है सरकार के बजट में 3 वर्ग महिला किसान और युवा बेरोजगारों पर विशेष रूप से फोकस किया गया है बजट का करीबी एक तिहाई हिस्सा महिला कल्याण के लिए रखा गया है! वही 100000 नौकरी से युवाओं और ब्याज माफी से किसानों को जोड़ने की कोशिश प्रदेश सरकार में की गई प्रदेश सरकार का यह जनहित बजट निश्चित ही सराहनीय है मध्यप्रदेश सरकार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं मध्य प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित करते हुए जुन्नारदेव नगर पालिका परिषद के अपील समिति सदस्य संजय जैन भाजपा नेता मनीष बंटी साहू, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला मंत्री अमन सोनी ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया!

शिवराज सरकार का यह बजट आकड़ों की बाजीगरी

शिवराज सरकार का यह बजट आकड़ो की बाजीगरी है। मध्यमवर्ग, किसान, नौजवान के साथ धोखा हुआ है। लोकलुभावन वादे करना पूरे प्रदेश में 7,500 घोषणाएं करना, यह शिवराज सरकार का जनता से किया गया विश्वासघात है।मध्यम वर्ग को महंगाई (रसोई गैस, पेट्रोल) में कोई राहत नही है। मध्यम वर्ग पिस रहा है।

कलेक्टर ने किया पेयजल की सुचारू आपूर्ति के दृष्टिगत मंधान बांध और पिकअप वियर चरई का निरीक्षण

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिले की परासिया तहसील में पेयजल की सुचारू आपूर्ति के दृष्टिगत पेंचव्हेली समूह जलप्रदाय योजना के अंतर्गत मंधान बांध और पिकअप वियर चरई का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । उन्होंने निरीक्षण के दौरान बांध स्थल पर संग्रहित जल की मात्रा की स्थिति की जानकारी प्राप्त की और योजना से संबंधित नगरीय निकायों और पंचायतों में

आगामी ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिये । निरीक्षण के दौरान प्रभारी कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री बी.एल.उईके, तहसीलदार श्री महेश अग्रवाल, नायब तसीलदार श्रीमती नीलिमा राजलवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री रविकांत उके, पीएचई के एसडीओ श्री संजय वानखेड़े व उप यंत्री श्री एच.के.वर्मा, नगरीय निकाय परासिया, न्यूटन चिखली और चांदामेटा के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका के एसडीओ श्री विनय शुक्ला और अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन 6 मार्च को

छिन्दवाड़ा जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष एवं म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जिले में वृत्त/जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम द्वारा आगामी 6 मार्च को प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक प्रशासनिक भवन खजरी रोड छिन्दवाड़ा में जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। जिले के विद्युत उपभोक्ता अपनी शिकायत का निराकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि फोरम के अंतर्गत विद्युत अधिनियम की धारा 126, 135, 138 व 161 के अंतर्गत पंजीबध्द प्रकरणों पर सुनवाई नहीं की जायेगी।

जामसावली मंदिर में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दर्शन किए

अतिथि गृह में जिला भाजपा पदाधिकारियों ने किया स्वागत

छिन्दवाड़ा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 दिवसीय प्रवास पर केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह छिन्दवाड़ा पहुंचे। श्री सिंह नागपुर विमानतल से सड़क मार्ग द्वारा छिन्दवाड़ा पहुंचे। जहां सर्वप्रथम उन्होंने चमत्कारिक हनुमान मंदिर जामसावली पहुंच दर्शन किये। जहां से छिन्दवाड़ा स्थित अतिथि गृह पहुंचने पर जिला भाजपा पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान माननीय मंत्री श्री सिंह द्वारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ ही पत्रकार बंधुओं से भी भेंट की गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सह लोकसभा प्रवास योजना की प्रदेश संयोजक सुश्री कविता पाटीदार, छिन्दवाड़ा जिला प्रभारी संतोष पारिख, लोकसभा प्रभारी नरेश दिवाकर, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू,शेषराव यादव उपस्थित थे।

सांसद फुटबॉल कप का आयोजन 28 मई से

छिन्दवाड़ा– सांसद कप फुटबॉल कप प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 28 मई से किया जावेगा। जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष व सांसद कप फुटबाल प्रतियोगिता के सचिव सुरेश कपाले ने बताया कि सांसद कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 22 अप्रैल 2023 को होना तय किया गया था किन्तु बोर्ड कक्षाओं व कॉलेज की परीक्षाओं के मद्देनजर अब प्रतियोगिता का आयोजन 28 मई से किया जावेगा।

लाडली बहना योजना का फार्म वार्डो में शिविर लगाकर भरवाया जायेगा

भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ की बैठक

छिंदवाड़ा । भाजपा जिला अध्यक्ष श्री विवेक बंटी साहू जी निर्देशानुसार भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न हुई भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक डॉक्टर अखिलेश खंडेलवाल जी के प्रथम नगर आगमन पर प्रकोष्ठ पदाधिकारियो ने भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत किया। सर्वप्रथम बैठक में दीप प्रज्वलित कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया एवं उपस्थित सभी भाजपा पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर भाजपा झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ जिंदाबाद के नारे लगाए गए। बैठक में प्रदेश संयोजक डॉ.अखिलेश खंडेलवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारीगण गठन का विस्तार बस्ती तक करें इसके लिए बस्ती टोली का गठन हो,हितग्राहियों से संपर्क स्थापित कर उनको भाजपा से जोड़कर संगठन विस्तार करें,वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में पात्र लोगों को सरकार की योजनानुसार लाभ दिलाएं। मन की बात कार्यक्रम का आयोजन बस्ती में हो। 100 वें एपिसोड का भव्य आयोजन बस्तियो में संपन्न हो।

भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक दीपक नाहर ने कहा कि संगठन संयुक्त ताकत से चलता है इसमें प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है,इसलिए प्रकोष्ठ का दायित्व भी बड़ा है,सभी का काम भाजपा को मजबूत करना है। मुख्य अतिथि जबलपुर सोसल मीडिया प्रभारी ने अपने उद्बोधन में बताया कि लाड़ली बहना योजना केवल योजना नहीं, एक सामाजिक क्रांति है। जितनी गरीब, निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाली बहने हैं, उन्हे प्रतिमाह 1 हजार रुपये यानी साल में 12 हजार रुपये मिलेंगे, लाडली बहना योजना का फार्म आपके वॉर्ड और गांव में ही शिविर लगाकर भरवाया जायेगा। 5 मार्च से आवेदन पत्र भरे जाएंगे और अप्रैल,मई में जांच प्रक्रिया पूरी कर जून माह में हितग्राहियों के खाते में पैसे डालना शुरू हो जाएंगे। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शैलेंद्र यादव ने बताया कि झुग्गी-झोपड़ी-प्रकोष्ठ द्वारा आगामी माह में जिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए आगामी हफ्ते में जिला संयोजकों के नेतृत्व में मंडलों की बैठक की जाएगी। बैठक के दौरान प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल संयोजक दीपक नाहर जिला संयोजक शैलेंद्र यादव सोशल मीडिया संयोजक आदेश पटेल एवं प्रकोष्ठ के जिला मंडल पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रशांत भावरकर, हर्ष बग्गा , मनोज कनोजिया , अकाश पटेल, हरी चौहान , आकाश यादव ,नवीन यादव, मयंक डिंडोरे सहित सैकड़ों युवा शामिल हुए

श्रीअन्न के खाद्य पदार्थों और अन्य खाद्य पदार्थों के स्वाद का आम जन ले सकेंगे आनंद

जिला स्तरीय प्रदर्शनी सह उन्नति मेला का आयोजन 6 मार्च को

छिन्दवाड़ा । जिले के ग्रामीण कारीगरों, कृषकों, स्व-सहायता समूहों और अन्य उद्यमियों को उनके उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिये नाबार्ड द्वारा 6 मार्च को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय छिंदवाड़ा के सामने स्थित मैदान में जिला स्तरीय प्रदर्शनी सह उन्नति मेला का आयोजन किया गया है जो रात्रि 10 बजे तक रहेगी। इस प्रदर्शनी के माध्यम से जहां जिले के कारीगरों, कृषकों, स्व-सहायता समूहों के सदस्यों और उत्पादकों को अपने पारंपरिक कला शिल्प, उत्पादन व उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री करने का अवसर मिलने के साथ ही शहरी बाज़ारों का परिचय कराने में सहायता मिलेगी, वहीं आम जन विभिन्न उत्पादों को क्रय करने के साथ ही श्रीअन्न (मिलेट्स) से बने खाद्य पदार्थों और अन्य खाद्य पदार्थों के स्वाद का आनंद भी ले सकेंगे।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बताया कि इस प्रदर्शनी सह उन्नति मेला में नाबार्ड के एफ.पी.ओ. व स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों में हर्बल गुलाल, टेराकोटा आइटम, वर्मी कम्पोस्ट बैग, ब्लॉक प्रिंटिंग आइटम व हाथकरघा विभाग सौंसर के बुनकरों के उत्पाद, फलम एफ.पी.ओ. के श्रीअन्न (मिलेट्स) के उत्पाद, उद्यानिकी विभाग के एक जिला एक उत्पाद में चयनित संतरा, कृषि विभाग के प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के उत्पाद हल्दी, जैविक तुअर, गुड़, सब्जियां आदि व श्रीराम जैविक कृषक समूह के उत्पाद, महिला एवं बाल विकास विभाग के स्व-सहायता समूह व वन स्टॉप सेंटर के उत्पाद, कृषि विज्ञान केन्द्र के उमाश्री स्व-सहायता समूह के उत्पाद, जिला पंचायत के पातालकोट रसोई और प्रभात स्व-सहायता समूह के खादी बैग उत्पाद, वन विभाग के वनोपज संघ के हर्बल गुलाल, चिरौंजी व वनभोज रसोई, नगरपालिक निगम के स्ट्रीट वेंडर का उत्पाद और पशुपालन विभाग के गौ-काष्ट उत्पाद का प्रदर्शन किया जायेगा और उत्पादों की बिक्री भी की जायेगी । इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष को देखते हुये प्रदर्शनी सह उन्नति मेला में फूड स्टॉल भी लगाकर श्रीअन्न (मिलेट्स) के खाद्य व्यंजन चाकोली, लड्डू, कुकीज, खीर आदि और स्नेक्स व पारंपरिक भोजन के स्टॉल लगायें जायेंगे जो आम जनों के लिये बिक्री हेतु उपलब्ध रहेंगे। होली के त्यौहार को ध्यान में रखते हुये जिले के स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे गौ-काष्ट, हर्बल गुलाल, धूप बत्ती, अगरबत्ती, मिलेट व्यंजन आदि भी बिक्री के लिये उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने वन, नगरपालिक निगम, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, कृषि विज्ञान केन्द्र, नाबार्ड, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और अन्य संबंधित अधिकारियों को जिला स्तरीय प्रदर्शनी सह उन्नति मेला में अपने विभाग के स्टॉल लगाने व समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने और अपने स्तर से इस उन्नति मेले में अधिक से अधिक ग्रामीणों व शहरवासियों की सहभागिता के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी सह उन्नति मेला से संबंधित स्टॉल व्यवस्था/आवंटन के लिये जिला प्रबंधक नाबार्ड श्रीमती श्वेता सिंह, आदि अधिकृत किया गया है ।

महापर्व अष्टान्हिका पर मंगलगान से गूंज रहे जिनालय

धर्म प्रभावना के लिए सम्मानित हुए युवा विद्वान मंगलार्थी अनुभव शास्त्री

छिन्दवाड़ा। इन दिनों सकल जैन समाज के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनशासन सेवक श्रावक - श्राविकाएँ अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका की मंगल आराधना कर श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान के माध्यम से अनन्त सिद्ध परमेष्ठी भगवंतों का गुणगान करते हुए उनके जैसे बनने की भावना व्यक्त कर रहे हैं। फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि मंगलमय प्रसंग पर अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जिनालय में फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से बड़ी संख्या में जैन बंधुओं द्वारा सामूहिक रूप से मंगलगान के साथ भक्ति भाव पूर्वक श्री जिनेन्द्र पूजन, नन्दीश्वरदीप पूजन के साथ श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान की आराधना कर रहें है। जिसमे विधानाचार्य पं. कांतिलालजी जैन इंदौर, पं. ऋषभ शास्त्री, सचिन जैन, विवेक जैन, आशीष कौशल, श्रीमती जूली पाटनी के सुमधुर मंगलगान से जिनालय गुंजायमान हो रहें है जिसमे श्रावकगणों द्वारा चँबर नृत्य कर अपनी मंगल भावना व्यक्त कर जिनशासन की मंगल प्रभावना की जा रही है। प्रवचनों की श्रंखला में सकल समाज आगंतुक विद्वान मंगलार्थी पं. अनुभव शास्त्री के श्रीमुख से स्वाध्याय भवन में प्रात:, दोपहर एवं रात्रि तीनों समय आध्यात्म की गंगा में स्नान कर भक्त से भगवान बनने की कला सीख रहे हैं। मंगल प्रवचनों की श्रंखला में आज शुकवार को जैन दर्शन के प्रकाण्ड विद्वान पं. अशोककुमार लुहाड़िया मंगलायतन अलीगढ़ का नगर आगमन हो रहा है जिनका लाभ सकल समाज को प्राप्त होगा।

सम्मानित हुए पं. अनुभव शास्त्री -

फाल्गुन शुक्ल ग्यारस गुरुवार के शुभ दिन मंगलार्थी पण्डितश्री अनुभवजी शास्त्री का विशेष प्रवचन सिंगोड़ी के पार्श्वनाथ जिनालय स्वाध्याय भवन में रखा गया जहाँ उन्होंने कहा कि अपने आपको पूर्ण देखों, मैं तो बना बनाया भगवान हूँ अत: अपने आप को जानने की कला सीखो जो सच्चे देव, सच्चे गुरु एवं सच्चे शास्त्र से प्राप्त होती है अत: ज्यादा से ज्यादा समय स्वाध्याय, मनन, चिंतन में लगाओ। इस अवसर पर समाज के श्रावक श्रेष्ठी इंद्रकुमार जैन, दीपकराज जैन, आशीष जैन पिंटू, राहुलराज जैन एवं सजल शास्त्री ने धर्म प्रभावना के लिए मंगलार्थी पण्डितश्री अनुभवजी शास्त्री को माँ जिनवाणी भेंट कर अंग वस्त्र सहित श्रीफल से सम्मानित किया और सकल जैन समाज की ओर से उनके उज्वल भविष्य की मंगल भावना व्यक्त कर उनके द्वारा की जा रही

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

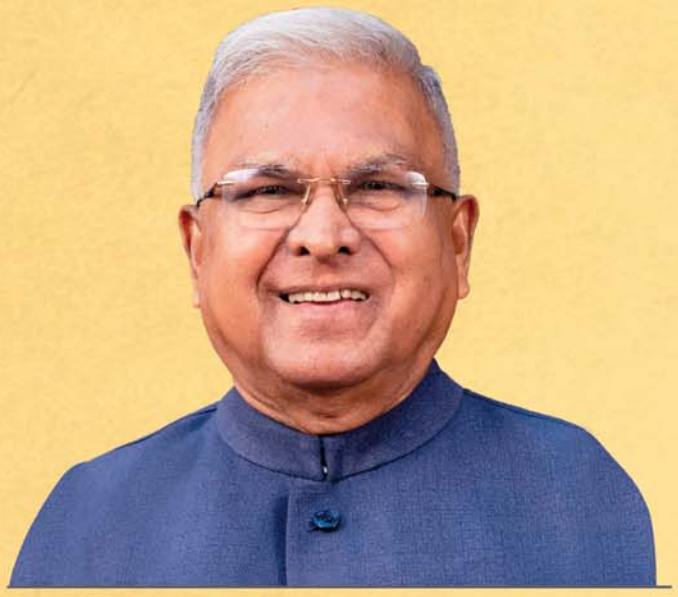

मंगुभाई पटेल, राज्यपाल, मध्यप्रदेश

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

धर्म-धम्म

7वां अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन-2023

नये युग के लिए पूर्व का मानववाद

उद्घाटन

राष्ट्रपति
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

उग्येन दोरजी
गृह और सांस्कृतिक मंत्री
भूटान

विदुर विक्रमनायक
बुद्धशासन, धार्मिक एवं
सांस्कृतिक मामलों के मंत्री, श्रीलंका

इर तजोकोर्डा ओका अर्थ अरदाना सुकवती
उप राज्यपाल, बाली, इंडोनेशिया

उषा ठाकुर
संस्कृति मंत्री, मध्यप्रदेश सरकार

3 मार्च, 2023 | अपराह्न 12.15 बजे

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार केंद्र, भोपाल

संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP
D- 11240/22
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023